डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः-राजू श्रीवास्तव के निधन पर इमोशनल हुए 'तारक मेहता' के शैलेश लोढ़ा

वर्ष -08 अंक -174 | प्रयागराज, शुक्रवार, 23 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दो दशक बाद मिलेगा कांग्रेस को गैर गांधी परिवार का अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव की चर्चाएं इन दिनों सुर्खियों में हैं। दिवाली से पहले कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलने जा रहा है। राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हो गए हैं। बुधवार को पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने एक प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया कि राहुल अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हैं। ऐसे में ये तय है

कि दो दशक से ज्यादा समय बाद कांग्रेस का अगला अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर का होगा। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर आज अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। नामांकन प्रक्रिया 24 सितंबर से शुरू होगी और 30 सितंबर तक जारी रहेगी। 8 अक्टूबर तक नामांकन वापस लिया जा सकेगा। 17 अक्टूबर को चुनाव होगा और 19 अक्टूबर को नतीजे का एलान किया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता शशि थरूर के बीच मुकाबला तय है। हालांकि, ऐसी संभावना है कि गहलोत ही अगले अध्यक्ष बनेंगे। सोनिया गांधी ने बुधवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात भी की।

पीएम मोदी आज गुजरात में करेंगे पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात में पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। पीएम वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 10:30 बजे इस कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। इस कार्यक्रम में प्लास्टिक प्रदूषण के उन्मूलन जैसे मुद्दों पर बेहतर नीतियां बनाने में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच और तालमेल बनाने के लिए सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। दूसरी ओर आज पीएफआई पर बड़ी कार्रवाई की गई है, देशभर में 10 राज्यों में पीएफआई के कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। और ने अब तक की सबसे बड़ी जांच के तहत कथित तौर पर आतंकी फंडिंग, प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने और प्रतिबंधित संगठनों के तहत लोगों को कट्टरपंथी बनाने में शामिल लोगों

के परिसरों पर तलाशी ली है। तमिलनाडु में एनआइए ने आज विलापुरम, गोमतीपुरम और कुलमंगलम सहित 8 स्थानों पर छापेमारी की है। वहीं, आज एनआइए के साथ ईडी ने भी देशभर में पीएफआइ के कई ठिकानों पर छापे मारे हैं। दक्षिण कोरिया और जापान के संबंधों में होगा सुधार दक्षिण कोरिया और जापान के शीर्ष नेताओं ने कोरियाई प्रायद्वीप पर जापान के पिछले औपनिवेशिक शासन के दौरान बिगड़े संबंधों को सुधारने के प्रयासों में तेजी लाने पर सहमति जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर, दोनों नेताओं ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के एकता नगर पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इस मौके पर वह एक सभा को भी संबोधित करेंगे।

मोदी का राजनीतिक करियर खत्म करने की थी साजिश

(आधुनिक समाचार सेवा)

अहमदाबाद। गुजरात दंगों से जुड़े मामलों में फर्जी दस्तावेज बनाकर तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी

की राजनीतिक पारी खत्म करने और उन्हें फांसी तक की सजा दिलाना चाहती थीं तीस्ता सीतलवाड़। इसके लिए वह अपने दो करीबी तत्कालीन आइपीएस अधिकारी आरबी श्रीकुमार और संजीव भट्ट के साथ मिलकर फर्जी सुबूत तैयार कर रही थीं। वह तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष, एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) कार्यकर्ता और दिल्ली के पत्रकारों के भी संपर्क में थीं। विशेष जांच दल (एसआइटी) ने कोर्ट में दाखिल छह हजार से अधिक पेज के आरोप पत्र में यह बात कही है। वर्ष 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों में फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले की जांच करने वाली अहमदाबाद पुलिस की एसआइटी के अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त बीवी सोलंकी ने बताया कि बुधवार को 6,300 पेज का आरोप पत्र मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट एमवी चौहान की कोर्ट में दाखिल किया गया।

मंत्री अश्विनी वैष्णव की बैठक में झपकी लेने वाले बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारी ने लिया वीआरएस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की बैठक में झपकी लेना बीएसएनएल के एक वरिष्ठ अधिकारी को भारी पड़ गया। उसे

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने पर मजबूर होना पड़ा है। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी देने के बाद हुई वैष्णव की बैठक में अधिकारी ने झपकी ली थी। उन्होंने अगस्त के पहले सप्ताह में अखिल भारतीय मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) स्तर की बैठक में बीएसएनएल कर्मचारियों से बेहतरीन प्रदर्शन करने और दो साल में इसे आगे ले जाने या फिर वीआरएस का विकल्प चुनने को कहा था बताया गया है कि बैठक में मंत्री ने एक सीजीएम को झपकी लेते हुए पकड़ा और उन्हें तुरंत कमरे से निकलकर वीआरएस लेने को कहा था।

कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन पार्टी के सामने ये 4 विकल्प

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा क्या राहुल गांधी फिर कांग्रेस की कमान संभालेंगे या अशोक गहलोत के रूप में कांग्रेस को 24 साल बाद कोई गैर गांधी

अध्यक्ष मिलेगा शशि थरूर भी कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं और वह इसे लेकर काफी गंभीर भी नजर आ रहे हैं। ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब अगले कुछ दिनों में मिल जाएगा। हालांकि, इसके अलावा भी कुछ विकल्प हैं, जिससे कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष पद का चयन हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की अधिसूचना आज जारी होने जा रही है। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए रेस कल से शुरू होने जा रही है। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नामांकन किया जाएगा। 8 अक्टूबर तक नाम वापस लिया जा सकता है। ऐसे में 8 अक्टूबर तक साफ हो जाएगा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में कौन-कौन है या कोई नहीं है। वैसे, उम्मीद की जा रही है कि इस बार कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में एक से ज्यादा उम्मीदवार नजर आ सकते हैं। राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष पद की कमान फिर अपने हाथों में लेने से इन्कार कर चुके हैं। हालांकि, माहौल राहुल गांधी के पक्ष में बनाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक 8 प्रदेश कांग्रेस समितियां राहुल गांधी को फिर अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं। ऐसे में अगामी दिनों में अन्य प्रदेश कांग्रेस समितियां भी ऐसे प्रस्ताव पारित करें, तो कोई हैरानी नहीं होगी। राहुल गांधी भी इशारों ही इशारों में ये संकेत दे चुके है कि अगर कोई सामने नहीं आएगा, तो नाव की पतवार उन्हें ही संभालनी होगी।

दिल्ली समेत उत्तर भारत से कब मानसून हो जाएगा विदा कब से शुरू होगी ठंड IMD ने बताई तारीख

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मानसून की विदाई की बेला में फिलहाल भले ही दिल्ली एनसीआर वासी गर्मी का एहसास कर रहे हों, लेकिन जल्द ही उन्हें इससे राहत मिलने लगेगी। अधिकतम दो सप्ताह में सुबह और शाम के समय सर्दी की आहट

महसूस होने लगेगी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, आगामी एक पखवाड़े के दौरान यानी अक्टूबर की शुरुआत में ही तापमान के सामान्य, जबकि माह के मध्य से सामान्य के नीचे रहने का पूर्वानुमान है। अलबत्ता, ठीकठाक सर्दी के लिए अभी नवंबर का इंतजार करना होगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों और गुजरात के कच्छ से मानसून ने पीछे हटना शुरू कर दिया। एक दो दिन में दक्षिण हरियाणा और पंजाब से भी मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। यहां से इसकी सामान्य तारीख 17- 18 सितंबर है। इसी तरह 28- 29 सितंबर के आसपास मानसून 2022 दिल्ली के साथ एनसीआर के शहरों से भी विदा ले लेगा। यहां मानसून की विदाई की सामान्य तारीख 25 सितंबर है। फिर 30 तारीख के आसपास यह समस्त उत्तर भारत से विदा हो जाएगा। गौरतलब है कि पिछले 5 सालों के दौरान दिल्ली-एनसीआर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड पड़ रही है, ऐसे में मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि ठंड इस बार भी पिछले कुछ सालों के रिकॉर्ड तोड़ सकती है। ऐसे में लोगों सतर्क रहने की जरूरत है। अभी हवा की दिशा उत्तरी- पूर्वी चल रही है जिसमें गर्माहट एवं नमी भी रहती है, लेकिन मानसून की विदाई के बाद हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी हो जाएगी। यह जम्मू कश्मीर की ओर से आएगी। इसके साथ पहाड़ों की ठंडक भी दिल्ली एनसीआर तक पहुंचने लगेगी।

शिक्षक भर्ती घोटाले में अर्पिता मुखर्जी बनी सरकारी गवाह

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोलकाता। बंगाल में शिक्षकों की भर्ती में हुए भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की महिला मित्र अर्पिता मुखर्जी सरकारी गवाह बन गई है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की ओर से पिछले दिनों अलीपुर की विशेष अदालत में जमा की गई चार्जशीट में यह जानकारी दी गई है। माना जा रहा है कि इससे पार्थ की मुश्किलें और बढ़ेंगी। साथ में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी मुश्किल में फंस सकते हैं चार्जशीट में दावा किया गया है कि पूछताछ के दौरान अर्पिता ने ईडी अधिकारियों से सरकारी गवाह बनने की गुहार लगाई है। इसके लिए उसने आवेदन किया है। दरअसल, अर्पिता के फ्लैट से करीब 50 करोड़ रुपये अधिक नकद, 4.5 करोड़ के गहने और सात से अधिक देशों की विदेशी मुद्रा बरामद हो चुकी है। अर्पिता ने पूछताछ में कहा है कि नकदी, आभूषण और विदेशी मुद्रा के बारे में उसे कोई जानकारी नहीं थी। जब पार्थ चटर्जी और उनके लोग रुपये लेकर आते थे तो उस कमरे में उसे जाने की अनुमति भी नहीं रहती थी। कौन-कौन लोग

आते थे, पैसे किसके है, इसका भ्रष्टाचार से क्या संबंध है, उन लोगों के बारे में भी अर्पिता सरकारी गवाह के तौर पर बयान देने के लिए तैयार हुई है। इससे एक तरफ उसकी सजा कम हो सकती है तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी शिकंजा और मजबूत हो सकता है। ईडी की चार्जशीट में इस बात का दावा किया गया है कि अर्पिता के ठिकानों से बरामद नकदी, आभूषण और विदेशी मुद्रा के असली लाभार्थी पार्थ चटर्जी ही है दिलीप घोष : भाजपा की बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। बुधवार को घोष ने कहा कि शिक्षक भर्ती घोटाले के बारे में उनको पूरी जानकारी थी। अर्पिता अब सरकारी गवाह बनने के लिए तैयार है। इसलिए ममता बनर्जी ज्यादा दिन बचने वाली नहीं हैं। शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी, एसएससी की सलाहकार समिति के सदस्य शांति प्रसाद सिन्हा व अशोक साहा और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय को बुधवार को अलीपुर कोर्ट स्थित सीबीआइ की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने सभी को पांच अक्टूबर तक जेल भेजने का निर्देश दिया।

कई राज्यों में NIA, ED और पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 100 से अधिक कैडर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ईडी, प्रवर्तन निदेशालय एनआईए ईडीऔर राज्य पुलिस बलों की संयुक्त टीम ने पापुलर फ्रंट आफ इंडिया एनआईए ईडी मामले में 10 राज्यों में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी की कार्रवाई में 100

से अधिक एनआईए ईडी के नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। ये तलाशी आतंकवाद को फंडिंग करने, ट्रेनिंग कैंप आयोजित करने और प्रतिबंधित संगठनों में शामिल होने के लिए लोगों को कट्टरपंथी बनाने में शामिल व्यक्तियों के घरों और कार्यालयों में की जा रही है। सूत्रों न समाचार एजेंसी को बताया, 'देश भर में 10 राज्यों में बड़ी कार्रवाई करते हुए, एनआईए ईडी और राज्य पुलिस ने के 100 से अधिक कैडरों को गिरफ्तार किया है।' सूत्रों के मुताबिक तेलंगाना, केरल, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और कई अन्य राज्यों में छापेमारी की कार्रवाई हुई है। जांच एजेंसी की इस कार्रवाई के विरोध में कई जगह और के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कर्नाटक के मंगलुरु में की कार्रवाई के खिलाप और के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। साथ ही तमिलनाडु के डिंडुगल में की कार्रवाई के विरोध में के 50 से अधिक कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि ने इस महीने की शुरुआत में एक मामले में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में 40 स्थानों पर छापेमारी की थी, जिसमें चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। जांच एजेंसी ने तब तेलंगाना में 38 स्थानों (निजामाबाद में 23, हैदराबाद में चार, जगत्याल में सात, निर्मल में दो, आदिलाबाद और करीमनगर जिलों में एक-एक) और आंध्र प्रदेश में दो स्थानों (कुरनूल और नेल्लोर में एक-एक) पर तलाशी ली थी। उस दौरान, तलाशी अभियान में डिजिटल डिवाइस, दस्तावेज, दो चाकू और 8,31,500 रुपये नकद सहित अन्य आपत्तिजनक सामान जब्त की थी। ईं ने बताया कि सभी आरोपी आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ट्रेनिंग कैंप आयोजित कर रहे थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक, भारत और चीन दोनों के हित में एक दूसरे को समायोजित करना

न्यूयार्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि यह भारत और चीन दोनों के पारस्परिक हित में है कि वे एक-दूसरे को समायोजित करने का रास्ता खोजें। अगर वे ऐसा करने में विफल रहते हैं तो यह एशिया के उदय को प्रभावित करेगा, जो महाद्वीप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के एक दूसरे के साथ आने पर निर्भर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में भाग लेने के लिए आए जयशंकर ने यहां कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स के राज सेंटर में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व नीति आयोग के पूर्व वाइस चैयरमैन अरवद पनगढ़िया के साथ बातचीत के दौरान सीमा गतिरोध के बीच भारत और चीन के उदय पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। जयशंकर ने कहा, 'हमारे समय में, हमने दुनिया में जो

सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह चीन का उदय है।' उन्होंने कहा कि एक ही समय में भारत की तुलना में चीन अधिक नाटकीय रूप से तेजी से आगे बढ़ा है। विदेश मंत्री ने आगे कहा, 'आज हमारे लिए मुद्दा यह है कि किस तरह दो उभरती शक्तियां, एक-दूसरे के पूर्ण निकटता में, एक गतिशील स्थिति में एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाती हैं।' इस सवाल पर कि क्या चीन चेनन्ई में वाणिज्य दूतावास खोल सकता है, जयशंकर ने कहा, 'इस समय चीन के साथ भारत के संबंध सामान्य नहीं हैं।' जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत का नहीं होना न केवल हमारे लिए अच्छा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक निकाय के लिए भी अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद का विस्तार लंबे समय से प्रतीक्षित है। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें पूछा गया था कि भारत को सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने में और कितना समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ साल में भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ ही सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भी होगा। ऐसे देश का वैश्विक परिषद में नहीं होना किसी के लिए भी ठीक नहीं होगा।

कर्नाटक विधानसभा में मतांतरण विरोधी बिल पारित

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में मतांतरण विरोधी विधेयक बुधवार को पास हो गया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए सदन से वाकआउट किया। पिछले ही हफ्ते 15 सितंबर को इस बिल को मामूली संशोधन के साथ विधान परिषद में भी पारित किया जा चुका है। इससे पहले, कर्नाटक के गृह

मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने विधानसभा में "धर्म की स्वतंत्रता के अधिकारों का कर्नाटक संरक्षण विधेयक, 2022" को पेश किया। राज्यपाल की सहमति के बाद, कानून 17 मई, 2022 से प्रभावी होगा। इसी तारीख को अध्यादेश जारी किया गया था। नए बिल के अनुसार अगर कोई कपटपूर्ण तरीके से एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्म परिवर्तन कराता है तो इसमें 25 हजार रुपये के जुर्माने के साथ ही पांच साल की कैद की सजा होगी। एससी या एसटी का मतांतरण कराने वालों को तीन से दस साल की कैद और अधिकतम 50 हजार रुपये का जुर्माना भरना होगा। मतांतरण करवाने वाले अपराधियों को तीन से दस साल की कैद और एक लाख रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। विधानसभा में कांग्रेस नेता यूटी खादर ने कहा कि हर कोई जबरन मतांतरण का विरोध करता है। इस विधेयक को लाने का इरादा सही नहीं है। यह राजनीति से प्रेरित, अवैध और असंवैधानिक है। इसे अदालतों में चुनौती दी जाएगी। फिर अदालतें इस पर स्टे दे सकती हैं या इसे खत्म कर सकती है। कांग्रेस विधायक शिवानंद पाटिल ने कहा कि इस से दुरुपयोग होने की पूरी आशंका है। इससे लोगों का उत्पीड़न भी हो सकता है। विधेयक का बचाव करते हुए राज्य के गृह मंत्री ज्ञानेंद्र ने कहा कि विधेयक में दुरुपयोग या भ्रम की कोई गुंजाइश नहीं है। यह किसी भी तरह से धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ नहीं है। उन्होंने बताया कि विधि आयोग के ऐसे विभिन्न कानूनों का अध्ययन करने के बाद मतांतरण विरोधी बिल लाया गया है। दिसंबर में ज्ञानेंद्र ने कहा था कि आठ राज्य इस तरह के कानून को पारित कर रहे हैं या लागू कर रहे हैं। इसी के साथ कर्नाटक नौवां राज्य हो जाएगा।

महिला वकील के कोर्ट में देरी से पहुंचने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसपी ट्रैफिक को किया तलब

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के एसपी ट्रैफिक को शहर के ट्रैफिक प्लान के साथ शुक्रवार की सुबह 10:30 बजे कोर्ट में पेश होने को कहा शहर में ट्रैफिक जाम रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होकर देने को कहा ट्रैफिक जाम की वजह से महिला वकील सहर नकवी के आधे घंटे देरी से कोर्ट में पहुंचने पर अदालत ने दिया आदेश।

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाल कल्याण समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सी डब्लू सी समिति द्वारा समय पर रिपोर्ट प्रेषित न किए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चों की बेहतर व्यवस्था हेतु आवश्यक पत्राचार किए जाने के निर्देश दिए।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस को पखवाड़ा दिवस मे छठे दिन जल संरक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस को पखवाड़ा दिवस मे छठे दिन जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत जल ही जीवन है इस विषय में संगोष्ठी कार्यक्रम जसरा ब्लॉक सभागार में सम्पन्न हुआ जिसमे मुख्य रूप से जिले से पधारे जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ल जी ने किया तथा पिछडा मोर्चा के जिला ध्यझ सुधाकर सिंह व मनकामेश्वर मंडल के मंडल उपाध्याय होरी लाल केसरवानी व विजय बहादुर सिंह के अलावा प्रधान जसरा प्रधान पान्डर व प्रधान गडैया व बी डी सी तथा भारतीय जनता पार्टी के बहुत से कार्यकर्ता महिला मोर्चा के कल्पनामित्र इत्यादि बहुत से गणमान्य उपस्थित रहे जिसमे जल संरक्षण के बारे मे विस्तार से चर्चा किया गया तथा इसे अमल मे लाने का वादा भी किया गया कार्यक्रम का संचालन महामंत्री भूपेंद्र पाठक ने किया तथा सुधान्सू मित्र तथा रावेन्द तिवारी ने भी अपने विचार रखे।

बारा में बड़ौदा यूपी बैंक की लगी जन चौपाल

बैंक के ऋण जमा व सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं को बताया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

बारा। प्रयागराज क्षेत्र के मालती देवी गेस्ट हाउस में बुधवार को बड़ौदा यूपी बैंक पांडर व बारा की संयुक्त जन चौपाल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुशील कुमार की अध्यक्षता में सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों को बैंक द्वारा दिये जाने वाले विभिनन्-ऋण योजना, जमा योजना व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। बारा प्रबंधक मुकुल कुशवाहा ने बैंक द्वारा प्रदत्त सेवाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। इस मौके पर कई ग्राम प्रधानों, जिला पंचायत सदस्य सहित क्षेत्रीय उपप्रबंधक राम प्रसाद, पांडर प्रबंधक दीपक सिंह पटेल, पंकज कुमार, दामिनी श्रीवास्तव, अजीत पाण्डेय, शिवओम मिश्र उपस्थित रहे।

प्रयागराज में 135 खोए हुए मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। क्राइम ब्रांच की सर्विलांस टीम ने गुरुवार को 135 लापता मोबाइल फोन बरामद कर शहरियों को लौटा दिए। यह सभी फोन खोए हुए थे और विभिन्न थानों में इनके सम्बंध में शिकायती पत्र प्राप्त हुए थे। इस अवसर पर, एसपी, क्राइम, सतीश चंद्र, ने लोगों से उचित दस्तावेज के बिना कभी भी मोबाइल फोन नहीं खरीदने का आग्रह किया । उन्होंने कहा ऐसे सेट चोरी हो सकते हैं या किसी और के हो सकते हैं, जिससे बाद में खरीदारों के लिए समस्या हो सकती है।

इलेक्ट्रानिक्स दुकान में आग से लाखों का सामान जला

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। भोर में आग लगने से कर्नलगंज की इलेक्ट्रानिक्स दुकान में लाखों का सामान जल गया। भोर तकरीबन तीन बजे दुकान से

धुआं निकलते देखा गया। सुबह टहलने निकले लोगों ने दुकान में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने तक आग की लपटों ने पूरी दुकान को आगोश में ले लिया। दुकान में कूलर, पंखा, काउंटर, टेबल आदि जल गए। दुकान मालिक सुमित गुप्ता का कहना है कि इलेक्ट्रिक उपकरण के साथ ही कई लाख का सामान जला है। आग शार्ट सर्किट से लगने की आशंका जताई गई।

छात्रसंघ भवन का ताला तोड़ा, धक्का-मुक्की पर भड़के प्रॉक्टर

कुलपति बोलीं- गरीब बच्चों से फीस नहीं लेगा विश्वविद्यालय

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र और विश्वविद्यालय प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। फीस वृद्धि को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों ने करने वाले छात्रों का आरोप था कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके साथ अभद्रता की। प्रोफेसर हर्ष ने छात्रों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की बात कही और चले गए। छात्रों ने इससे पहले भी छात्रसंघ भवन के मुख्य द्वार का ताला तोड़ा था, जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वार पर दोबारा ताला लगाये जिसे छात्रों ने फिर तोड़ दिया। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. सगीता श्रीवास्तव ने अपना पक्ष रखा। उन्हों ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पहले वार्षिक फीस 975 रुपए थी, यदि इसे प्रतिमाह के हिसाब से देखें तो 81 रुपए होता है। अब 4151 रुपए फीस किया गया जो प्रतिमाह 333 रुपये आ रहा है। अब 30-40 लोग राजनीति के चलते गलत मैसेज फैला रहे हैं कि 400 प्रतिशत फीस वृद्धि कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करती हूं कि जो गरीब छात्र हैं या कोविड काल में अपने मां बाप को खो दिए हैं उनकी पूरी फीस माफ कर दी जाएगी।

बुधवार को एकबार फिर छात्रसंघ भवन का ताला तोड़ दिया। इसको लेकर छात्र और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच झड़प और धक्कामुक्की हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मौके पर मौजूद प्रोफेसर हर्ष ने छात्रों पर धक्कामुक्की करने का आरोप लगाया। आंदोलन

अबुल कलाम आजाद इण्टर कालेज के छात्र छात्राओं ने प्रधानमंत्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में प्रधानमंत्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित लगायी गयी ''कहानी भारत माँ के सच्चे सपूत की'' चित्र प्रदर्शनी तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निणन्य, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन अबुल कलाम आजाद इण्टरमीडिएट कालेज के छात्रा-छात्राओं, अध्यापकों,जनसामान्य,युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। अबुल कलाम आजाद के छात्र-छात्राओं ने माननीय प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर काफी प्रसनन्ता व्यक्त की और कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के जीवन संघषी तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी उन्हें प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त युवाओं एवं जनसामान्य ने प्रदर्शनी देखकर काफी प्रशंसा की। यह प्रदर्शनी दिनांक 23 सितम्बर 2022 तक तुलसीसदन सभागार में पूर्वान्ह 11 बजे से सायंकाल 5 बजे तक जनसामान्य के लिये उपलब्ध रहेगी। इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश एवं भारत सरकार की योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य जनसामान्य हेतु उपलब्ध है।जनसामान्य, युवा,बच्चे इस प्रदर्शनी का अधिक से अधिक अवलोकन कर प्रधानमंत्री के जीवन संघषी से प्रेरणा ले सकते है। सूचना विभाग द्वारा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं/उपलब्धियों से

सम्बन्धित प्रचार साहित्य का वितरण प्रदर्शनी में आये हुये छात्र-छात्राओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं जनसामान्य को किया जा रहा है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उत्कृष्ट वैश्विक ख्याति, देश की संस्कृति, किताबों के समंदर के गोताखोर, हिमालय की गोद में, निर्धारित हो रहा पथ स्वतंत्र भारत के 100 वर्ष, सदैव जनता के साथ, हर गरीब के सिर पर हो अपनी छत, नारी शक्ति से देश की तरक्की, वीआईपी कल्चर को गुडबाय, साफ नियत सही विकास, स्कूल चले हम, ड्रीम बिग सोलर पावर, भारतीय दर्शन एवं विरासत का संरक्षण,बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि, जितना ऊँचा कद उतनी विशाल प्रतिमा, गुमनाम नायकों को उचित सम्मान, मेरे देश के जवान तुझको शत् शत् प्रणाम, देश की संस्कृति का गर्व से प्रदर्शन, जब दुनिया देती है प्रधानमंत्री को सम्मान बढ़ जाती है भारत की शान, काशी का कायाकल्प एवं दुनिया को योग पथ पर लाने में प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा आदि से सम्बन्धित तथ्यों पर आधारित चित्रों को दर्शाया गया है।

29 सितंबर को होगा छेमर सरैया में विराट कवि सम्मेलन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। दुर्गा पूजा पंडाल,छेमर सरैया में 29सितम्बर को शाम 6 बजे एक विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कवि सम्मेलन के संयोजक पंकज मिश्र समाजसेवी ने बताया इसमें देश के सुप्रसिद्ध वीर रस के कवि डॉ0रणजीत सिंह,अजय सोनी, गीता पाण्डेय अपराजिता रायबरेली,जया मिश्रा, रामबदन शुक्ल पथिक अमेठी, विनय पाण्डेय अजय अमेठी,लोकेश त्रिपाठी काव्य पाठ करेंगे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गणेश प्रताप सिंह 'काशी' प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मणपुर होंगे।

सर्वाइकल कैंसर जागरूकता विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह के आदेशानुसार राजकीय बालिका इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनुपम दुबे के निर्देशन में सर्वाईकल कैंसर जागरूकता विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्या गरिमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला महिला चिकित्सालय की डा0 प्रियंका एवं डा0 विभा स्त्री रोग विशेषज्ञ ने उपस्थित महिला एवं बालिकाओं को सर्वाईकल कैंसर के प्रति विशेष जानकारी देते हुये जागरूक किया।उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के लक्षण और उसके उपचार के सम्बन्ध में बालिकाओं को जागरूक किया। इस अवसर पर उपस्थित महिला चिकित्सक डा0 विभा ने बताया कि वर्तमान समय में महिलाओं में सर्वाईकल कैंसर बहुत तेजी से फैल रहा है। यह बीमारी बच्चेदानी के मुँह का कैंसर के रूप में भी जानी जाती है। महिलाओं में इम्यूनिटी पावर कम होने से, बच्चों के अधिक जन्म होने से, कम उम्र में शादी होने या माहवारी के समय साफ सेनेटरी पैड के इस्तेमाल न करने से यह बीमारी तेजी से फैलती है। उन्होने बताया कि जिला महिला चिकित्सालय में इससे सम्बन्धित बीमारी के उपचार की सभी सुविधायें उपलब्ध है अगर किसी को इस तरह की समस्या आती है तो वह महिला चिकित्सालय में सम्पर्क करके निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर सकता हैं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मो0 अनीस ने किया।इस अवसर पर पीएलवी एवं पैनल अधिवक्ता सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीतापुर मे कृषि विभाग के अधिकारी को रंगे हाथो पकड़ा

आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। फर्टिलाइज़र बाबू दिलीप सिंह को एंटी करप्शन टीम ने उनके ऑफिस से रंगे हाथों पकड़ा।

पैसे ऐंठने के चक्कर मे गलत उपचार व डाक्टर की लापरवाही ने पत्रकार के माॅ को मौत के घाट पहुंचाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। चिकित्सक को धरती का भगवान् व ईश्वर का दूसरा रूप माना गया है। किंतु आज के इस दौर मे पैसे ऐंठने के चक्कर मे अब धरती के भगवान् कहे जाने वाले डाक्टर शैतान का रूप ले रहे है। जिसके कारण एक अच्छे चिकित्सक से भरोसा लोगो का टूटने लगा है। ऐसे ही एक मामला जिले के सिकन्दरपुर के वरिष्ठ पत्रकार संजीव सिंह के सामान्य रूप से मरीज उनकी 62 वर्षीय माता का मऊ जनपद के एक निजी अस्पताल में पैसे ऐंठने की लालच मे डाक्टर ने बवासीर का आप्रेशन करने का मामला बताकर ओटी मे ऐसी मरीज के रोग से छेड़छाड़ और घोर लापरवाही डाक्टरों ने किए की अचानक उनकी माँ की पल्स और आक्सीजन गिरने लगा और उन्हे अकारण ही मौत के घाट पहुंचा दिया। अस्पताल और चिकित्सक के इस हरकत से पत्रकारो मे रोष व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार बलिया जिले के सिकंदरपुर कस्बा निवासी वरिष्ठ पत्रकार संजीव सिंह उर्फ बबलू सिंह की माता राजेन्द्री देवी 62 वर्षीय पतनै श्री रामदरश सिंह की कुछ दिन से बवासीर की परेशानी थी। सिकन्दरपुर समीप के सीसोटार निवासी डा0 एसएन राय नामक चिकित्सक जो मऊ मे अपनी एक निजी अस्पताल खोल कर उपचार का केंद्र विन्दु बनाए हुए है। अस्पताल और चिकित्सक की बहावे मे आकर उनके परिजन

सामान्य रूप से मरीज को दिखाने के लिए मऊ लेकर गए मरीज को दिखाने के बाद चिकित्सक के कहने पर बवासीर का आप्रेशन करने के लिए 14 हजार रुपए जमा करवाए तदुपरान्त मरीज को ओटी मे ले जाकर कुछ घाव के पस निकालने की बात कही गई और आप्रेशन थिएटर मे मरीज के साथ सीरिंज से ऐसा छेड़छाड़ किया गया की ओटी मे ही उनका पल्स गिरने लगा और आक्सीजन की कमी होने लगी जिससे उनकी स्थिति अत्यंत खराब हो गई।मरीज की बिगड़ती हालात को देख अस्पताल के डाक्टरो ने आक्सीजन नही होने का बहाना बनाकर उन्हे मऊ फातिमा हास्पिटल तत्काल ले जाने की सलाह दी। परिजनो ने उन्हे फौरन फातिमा के लिए निकल पड़े और वहा पहुँचते ही उन्होंने दमतोड़ दिया। परिजन रोते-बिलखते उनके शव को लेकर अपने घर सिकन्दरपुर आए और उनके पार्थिव शरीर का अंतिम दाह संस्कार सरयू के पावन तट पर स्थित कठौरा मुक्तिधाम कर दी। पत्रकार के माता के निधन से पूरे जनपद के पत्रकारों में शोक की लहर है।उनकी मौत की सूचना पर सिकंदरपुर तहसील क्षेत्र के पत्रकार शीतल निर्भीक, चुन्ने लाल गुप्ता,शंभू नाथ मिश्रा, विजेंदर नाथ सिंह, नारायण पांडे,रजनीश श्रीवास्तव ,अजय तिवारी, रमेश जायसवाल, बख्तियार खान, आरिफ अंसारी, अतुल राय, इमरान खान, ज्ञान प्रकाश,सनोज कुमार,सार्थक राय, अनिल तिवारी, मनीष गुप्ता अरविंद पाण्डेय आदि पत्रकारों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

किसी भी अनर्गल दबाव में आकर गेट न खोलें संरक्षा नियमों के साथ कड़ाई से पालन करें-मण्डल रेल प्रबंधक

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री रामाश्रय पाण्डेय ने आज बुधवार को गोरखपुर-पनियाहवां रेल खण्ड विण्डो ट्रेलिंग एवं इस रेल खण्ड के स्टेशनों का संरक्षा निरीक्षण कर संरक्षित परिचालनिक व्यवस्था सुनिश्चित की। इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्टेशनों,ब्लॉक खण्डों एवं रेलवे ट्रैक की साफ सफाई का भी संज्ञान लिया तदनुसार संबंधित को दिशा निर्देश दिया। मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी का निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर प्रथम श्री ऋषि श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री ए पी सिंह,वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर द्वितीय श्री यशवीर सिंह,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सामान्य)श्री पंकज केशरवानी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(कर्षण)श्री आर एन सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आशुतोष शुक्ला, जन सम्पर्क अधिकारी श्री अशोक कुमार एवं वरिष्ठ पर्यवेक्षक उपस्थित थे। इस दौरान पनियाहवां स्टेशन संरक्षा उपकरणों के अनुरक्षण रजिस्टर, यात्री प्रतीक्षालय, स्टेशन पैनल,रिले रूम चाभी हस्तांतरण रजिस्टर,सतर्कता आदेश पंजिका, ब्लॉक यंत्र, स्टेशन भवन, प्लेटफार्म तथा विकास कार्यों के निमित्त केबल टर्मिनेशन एवं वायरिंग का निरीक्षण किया और सभी नियम संगत पाया। मंडल रेल प्रबंधक ने खड्डा, सिसवां बाजार,गुरली रामगढ़वा हाल्टएवं घुघली स्टेशनों का निरीक्षण कर स्टेशनों के रिमाडलिंग हेतु वेब्बल टर्मिनेशन एवं वायरिंग,पॉइंट एण्ड क्रासिंग तथा सेफ्टी गियर के मेंटेनेंस रजीस्टर, संरक्षा उपकरणों के अनुरक्षण रजिस्टर,यात्री प्रतीक्षालय, स्टेशन पैनल, खड्डा स्टेशन पर 24 कोचों के अनुरूप प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने के कार्य का जायजा लिया, पैदल उपरिगामी पुल के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उक्त सभी स्टेशनों पर दैनिक साफ-सफाई का निरीक्षण कर सम्बंधित को निर्देश दिया। इसके साथ ही खड्डा के स्थानीय ग्रामीणों द्वारा ट्रेन की ठहराव की मांग को सुना और इस बावत स्टेशन की टिकट बिक्री रिपोर्ट देखकर उचित निणन्य लेने का अस्वासन दिया। मंडल रेल प्रबंधक ने पनियाहवाँ-कप्तानगंज रेल खण्ड में समपार संख्या-25 ए सी,29 ए सी एवं 17 स्पेशल का सेफ्टी निरीक्षण कर संरक्षा के सभी मानदंडों का परीक्षण किया साथ ही गेट मैनों का संरक्षा ज्ञान भी परखा। उन्होंने गेट मैनों को नसीहत दी की रेल परिचालन के दौरान किसी भी अनर्गल दबाव में आकर गेट न खोलें और संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें। तदुपरान्त मंडल रेल प्रबन्धक कप्तानगंज रेलवे स्टेशन पहुँचे जहाँ

उन्होंने संरक्षा उपकरणों के अनुरक्षण रजिस्टर,यात्री प्रतीक्षालय, स्टेशन पैनल,रिले रूम चाभी हस्तांतरण रजिस्टर, सतर्कता आदेश पंजिका,ब्लॉक यंत्र,स्टेशन भवन,प्लेटफार्म तथा सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कप्तानगंज स्टेशन परिसर में पे एण्ड यूज शौचालय बनाने हेतु कार्य योजना बनाने तथा नगर पालिका परिषद से समन्वय बनाकर अप्रोच रोड दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। अपने निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबन्धक ने संरक्षा श्रेणी से जुड़े कर्मचारियों का सक्षमता प्रमाणन एवं पीरियाडिक मेडिकल जाँच रिपोर्ट का अवलोकन किया। उन्होंने कप्तानगंज स्टेशन पर स्थित कार्यलयों,वेण्डिंग स्टालों एवं उपलब्ध शौचालयों साफ-सफाई देखी तथा वेंडरो का लाइसेंस चेक़ भी किया। तदुपरान्त मंडल रेल प्रबंधक ने बोदरवार,पिपराईच एवं उनौला स्टेशनों का भी संरक्षा निरीक्षण किया जिसमें पॉइंट एण्ड क्रासिंग तथा सेफ्टी गियर के मेंटेनेंस रजीस्टर, संरक्षा उपकरणों के अनुरक्षण रजिस्टर,यात्री प्रतीक्षालय, स्टेशन पैनल,रिले रूम,जनरेटर रूम तथा छत समेत स्टेशन भवन एवं स्टेशन कार्यालयों व परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया और सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया। इस दौरान मंडल रेल प्रबन्धक ने संरक्षा श्रेणी से जुड़े कर्मचारियों का सक्षमता प्रमाणन एवं पीरियाडिक मेडिकल जाँच रिपोर्ट का अवलोकन किया तथा संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों को प्रापर विश्राम एवं नियमित पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिए जाने पर बल दिया। उक्त जानकारी अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी ने दी।

भदोही में टोल प्लाजा कर्मियों से मारपीट के मामले में तीन वाहन स्वामी सहित 15 अज्ञात पर एफआइआर दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदोही। लालानगर टोल प्लाजा पर बुधवार को हुई मारपीट के मामले में तीन वाहन स्वामी सहित 15 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि आटोमेटिक

बूम गिरने से लग्जरी वाहन सवार हमलावरों ने टोल कर्मियों को मारपीट कर घायल कर दिया दिया था। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी थी। टोल इंचार्ज लल्लन पांडेय,टीसी पंकज कुमार शर्मा ने गोपीगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दोपहर बाद दो बजे के करीब एक साथ तीन लक्जरी वाहन फास्ट टैग बूथ संख्या छह से निकल रहे थे। इस दौरान एक वीआईपी वाहन निकल जाने के बाद आटोमेटिक बूम दूसरे वाहन पर गिर गया। इसको लेकर गुस्साए वाहन सवार लोग नाराज हो गए। वाहन से उतर कर टोल पर कार्यरत टीसी पंकज को मारना पीटना शुरु कर दिया। जिसे देख टोल इंचार्ज लल्लन पांडेय पहुंचे और बीच बचाव करने का प्रयास किया वह समझाने लगे कि आटोमेटिक बूम गिर गया, किसी ने जानबूझकर नहीं गिराया गया है लेकिन कोई सुनने को तैयार नही हुआ। आरोप है कि बंदूक के कुंदे और वाहन में रखे डंडे से दोनों की जमकर पिटाई कर दी। पूरी घटना सीसीटीबी कैमरे में कैद हो चुका है। इसके साथ ही कमिऱ्यों ने आरोप लगाया कि चलते चलते गोली मार देने की भी धमकी दी गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी भुनेश्वर पांडेय रात में टोल पर पहुंच कर सीसीटीवी फुटेज खंगाली। जांच में मामला सही मिलने पर तीनों वाहन स्वामी सहित 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम किया गया है।

एंटी करप्शन कि टीम ने लेखपाल को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा

जमीन नाप के एवज में 40000 मांगता था पैसा एंटी करप्शन की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। कई वर्षों से कर रहा था दलाली का कार्य चढ़ा एंटी करप्शन टीमों के हाथे जी हां बताते

चलें लगातार शिकायतों के बाद रोहनिया क्षेत्र के मोहनसराय से आरोपित लेखपाल संजय वर्मा को 40 हजार रूपए के साथ रंगे हाथ घूस लेते हुए गिरफ्तार हुआ। इसके बाद टीम ने लेखपाल को रोहनिया पुलिस को सौप दिया। पुलिस ने मामले की पूछताछ कर रही है। बता दे की रोहनिया थाना क्षेत्र के नरउर के रहने वाले अजीत कुमार सिंह इंडियन ऑयल पेट्रोल पम्प का आवेदन किए थे । इसके लिए जिलाधिकारी के यहां से जमीन की जांच और एनओसी के लिए तहसील को निर्देशित किया गया। तहसील से मामले की जांच क्षेत्रीय लेखपाल संजय वर्मा को सौंपी गई। पीड़ित अजीत कुमार का आरोप है कि अप्रैल माह से ही लेखपाल के पास पेपर आ गया था। जब मैं उसके बारे में पूछता तो टालमटोल कर देते थे । इन्होंने फिर कहा कि 80 हजार खर्चा आएगा क्यों कि अधिकारियों को भी देना है।अजीत ने पहले असमर्थता जताई लेकिन फिर पांच- पांच हजार करके दो बार पैसे दिए। पिछले 17 सितंबर को लेखपाल ने पैसे की मांग की तब आजिज़ आकर एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया ।टीम ने अजीत कुमार के साथ मोहनसराय स्थित मिश्रा कटरा में लेखपाल के बने अस्थाई कार्यालय पर पैसे देने की योजना बनाई । गुरुवार को कार्यालय पर पहुंचकर पेपर के बारे में बात करते हुए अजीत ने 40 हजार दिए जिसे लेखपाल ने अपनी पैंट की जेब में डाल ली। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम मौके पर पहुंचकर पैसे को निकलवाया जिसका नंबर टीम के पास था । एंटी करप्शन टीम लेखपाल को लेकर रोहनिया थाने पहुंची जहां पूछताछ और जांच चल रही है । रोहनिया प्रभारी निरीक्षक विमल कुमार मिश्र ने बताया की पूछताछ और जांच के बाद जैसी तहरीर मिलेगी उसके आधार पर केस दर्ज किया जायेगा।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफलप्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 सितंबर 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, 9415608710, 6386474074, 9415608790

अज्ञात वाहन के साइड मारने से बच बचाव के चक्कर में राखड़ टैंकर डिवाइडर पर चढ़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पूरा मामला 21 अगस्त 2022 की रात के लगभग 11 बजे का है जहां जनपद सोनभद्र के सुकृत चौकी अंतर्गत ग्राम सभा लोहरा में पावरहाउस के पास वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर अज्ञात गाड़ी के साइड मारने के वजह से राखड़ टैंकर बच बचाव के चक्कर में ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया। आपको बताते चलें कि राखड़ टैंकर में राखड़ लदा था और राखड़ टैंकर रावर्ट्सगंज की तरफ से वाराणसी की तरफ जा रहा था। राखड़ टैंकर का गाड़ी नंबर ऊझ64ऊ7620 और गाड़ी चालक का नाम राम मनोहर पता विंधमगंज गाड़ी चालक लोड करके रेनू सागर से बनारस के लिए जा रहा था तभी लोहरा पावर हाउस के पास पहुंचा। इस हादसे में कोई जान-माल को नुक़सान नहीं पहुंचा।

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। जंगीरोड शबरी से लेकर लोहदीं चौराहा व बैरहवा चौराहा तक बिजली विभाग के द्वारा प्रकाश की कोई व्यवस्था नहीं है जिसके वजह से आने जाने वाले राहगीरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । वहां पर आए दिन दुर्घटनाए होती रहती है । बिजली विभाग की लापरवाही से वहां पर स्ट्रीट लाइट की भी कोई व्यवस्था नहीं है क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यहां पर आए दिन दुर्घटना होता रहता है । 26 सितंबर से नवरात्र आरंभ होने वाला है। उसके मद्देनजर यदि वहां पर प्रकाश की व्यवस्था न की गई तो आने जाने वाले राहगीरों को भयावह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है

अंतिम दर्शन को उमड़े लोग, ढाई साल के बेटे के साथ रोती बिलखती रही पत्नी

(आधुनिक समाचार सेवा)
मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले के लालगंज थाना क्षेत्र निवासी सीआरपीएफ जवान अमरेश गिरी का पार्थिव शरीर गुरुवार की सुबह

घर पहुंचा। पीएसी और सीआरपीएफ बल की मौजूदगी में पार्थिव शरीर लाया गया। सुबह से ही घर पर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। पतने विभा गिरी अपने ढाई वर्ष के बेटे रौनक के साथ बैठी रोती बिलखती रही। पार्थिव शरीर पहुंचते ही करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया दो दिन पूर्व कलवारी गांव निवासी अमरेश गिरी (28) की पुणे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनका पार्थिव शरीर बाबतपुर हवाई अड्डे पर बुधवार की रात लाया गया। रात होने के कारण दूसरे दिन गुरुवार को मौत के जांच की मांग को लेकर परिजन पार्थिव शरीर लेने को तैयार हुए। युवा सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद क्षेत्र के लोगों की भारी संख्या उनके घर कलवारी में पहुंचकर अंतिम दर्शन की। पिता को ढांढस देने में ग्रामीण बुजुर्ग जुटे रहे।पति अमरेश की मौत से पत्नी अपने ढाई वर्ष के बेटे के साथ रोते हुए बेहोश हो जा रही थी

पिपरी इंस्पेक्टर के विरुद्ध होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। एडीजे पॉक्सो कोर्ट ने सोनभद्र एसपी को आदेश पत्र भेजा, 23 सितंबर को कृत कार्रवाई से अवगत कराने को कहा नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में कोर्ट के आदेश के 4 माह बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने का मामला सोनभद्र। नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में कोर्ट के आदेश के 4 माह बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कोर्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए पिपरी इंस्पेक्टर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने एवं कृत कार्रवाई से 23 सितंबर को अवगत कराने का अनुरोध किया है। बता दें कि नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने 21 मई 2022 को पिपरी इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना करने का आदेश दिया था। लेकिन 4 माह गुजर जाने के बावजूद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। जब कोर्ट ने थाने से आख्या मांगा तो 20 सितंबर को भेजी गई आख्या में इंस्पेक्टर ने अवगत कराया है कि पीड़ित लड़की की तलाश की जा रही है। अभी तक उसका पता नहीं चल पाया है। जिसकी वजह से एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पिपरी इंस्पेक्टर को विधिक प्रक्रिया का ज्ञान नहीं है। उन्होंने कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया है। यह कृत्य उनकी अक्षमता, संवेदन शीलता, कार्य के प्रति लापरवाही व अवमानना का द्योतक है। एसपी सोनभद्र को भेजे अनुरोध पत्र में कोर्ट ने पिपरी इंस्पेक्टर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए कृत कार्रवाई से 23 सितंबर 2022 को कोर्ट को अवगत कराने को कहा है।

स्टुडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के तहत छात्र छात्राओं को जनपद के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कराया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में स्टूडेंट पुलिस कैडेट के नोडल अधिकारी क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चन्देल के मार्गदर्शन मे एवं एसपीसी के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में राजकीय बालिका इंटर कालेज रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र के छात्र/छात्राओं को स्टूडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के अंतर्गत गुरमा जेल , जिलाधिकारी कार्यालय, विकास भवन , जनपद न्यायालय , बालिका सुधार गृह, महिला थाना, पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय व यातायात कार्यालय का भ्रमण कराते हुए जानकारी प्रदान की गयी । पुलिस लाइन भ्रमण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह मौजूद रहें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा सम्बन्धीत दी गई जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप महिलाओं / बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरुक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से "मिशन शक्ति" अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपदीय पुलिस के समस्त थानों की एंटी रोमियो टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों/बीटों/स्कूल/कॉलेज, कोचिंग संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओ/बलिकाओं से संवाद कर उन्हें महिलाओं की सुरक्षा हेतु विभिनन हेल्पलाइन नम्बरों एवं नियमों तथा महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अन्य अपराधों पर कानूनी कार्रवाई के सम्बंध में विस्तृत रुप से जानकारी देकर उन्हें जागरुक किया गया । वर्तमान समय मे हो रहे विभिनन तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गयी । साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस-पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके । इसके साथ ही महिलाओं /बालिकाओं को जागरुकता सम्बंधी पम्पलेट भी वितरित किया गया । इसके अतिरिक्त जनपदीय पुलिस टीमों द्वारा भी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में आमजनमानस विशेषकर बालिकाओं एवं महिलाओं से सम्पर्क कर उनसे वार्ता की गयी तथा उन्हें विभिन्न सरकारी नम्बरों, कल्याणकारी योजनाओं एवं महिला सम्बंधित मामलों से निपटने हेतु जागरुक किया गया ।

दुर्गा पूजा एवं दशहरा के मद्देनजर पिपरी थाना शक्ति नगर के धर्मगुरुओ एवं गणमान्य व्यक्ति के साथ आज बैठक कि गई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी पिपरी द्वारा थाना शक्तिनगर पर आगामी त्यौहार दुर्गा पूजा व दशहरा को सकुशल सम्पनन कराने के दृष्टिगत थाना क्षेत्र के विभिनन धर्मों के धर्मगुरुओं तथा सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ शान्ति समिति/पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी । इस दौरान बैठक में उपस्थित विभिनन धर्मगुरुओं एवं सम्भ्रान्त व्यक्तियों से वार्ता कर उपरोक्त त्योहारों को सौहार्द एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी साथ ही सभी से अपील की गयी कि अराजक तत्वों के सम्बंध में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें । इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगण को भी थाना क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए आगामी त्यौहारों को सकुशल व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पनन कराने हेतु पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी ।

सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहे छुट्टा पशुओं को गौशाला भेजने हेतु सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
(डाला) सोनभद्र। गुरुवार सुबह डाला नवनिर्माण सेना के तत्वावधान में नगर में आए दिन सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन रहे सड़क पर घूमते व सोते आवारा

पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजे जाने हेतु नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी को नामित ज्ञापन सौपा। इस दौरान डाला नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने बताया कि आने वाली 26 सितंबर से ही श्री राम नवमी आरंभ हो रही है जिसके साथ नगर में रामलीला व दुर्गा पूजा का भी भव्य आयोजन होता है। बाज़ार में भीड़ होने पे सड़क के बीचों बीच व सर्विस लेन पर खुला सो रहे व घूम रहे आवारा पशुओं के कारण प्रतिदिन कोई बड़ा या छोटा हादसा होते रहता है। इस दौरान नवनिर्माण सेना के महामंत्री अवनीश पांडे व प्रशांत पाल ने बताया कि पिछले साल भी यूं तो कई छोटे छोटे हादसे होते रहे किंतु बीते साल दुर्गा पूजा विसर्जन की रात ही सड़क पर इधर उधर खुला घूम रही दो गायों के कारण ही एक पिकअप वाहन की बहुत ही भयानक दुर्घटना हो गई थी। नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने लोगों की जानमाल की रक्षा हेतु और सघन दुर्घटनाओं से बचाव हेतु नगर पंचायत से 26 सितंबर से पूर्व ही सभी आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजने का आग्रह किया। इस दौरान युवा समाजसेवी अहमद हुसैन,श्याम लाल आदि मौजूद रहे।

अन्तरजनपदीय वाहन चोर गैंग के दो सदस्य हुए गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में वाहन चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने तथा वाहन चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में दिनांक 21.09.2022 को समय 19.30 बजे क्राइम ब्रांच/थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा धर्मशाला चौराहे पर चेकिंग : अभियुक्तगण 01. रामललित पासवान पुत्र रामबली पासवान, निवासी कुशरट (इनमा) थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 25 वर्ष, 02. राजाराम पुत्र रामसिंह, निवासी इनमा, थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 29 वर्ष को चोरी की एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया । जो मु0अ0सं0 633/2022 धारा 379 भादवि से सम्बन्धित मोटरसाइकिस हीरो होण्डा प्लस है, जो बाल चिकित्सालय से चुराई गयी थी ।पूछताछ पर उपरोक्त दोनो व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि हम दोनों नें रॉबर्ट्सगंज व उसके आस-पास के क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चुराते है, चुराने के बाद चेचिस नंबर मिटा देते है व नंबर प्लेट निकाल देते है। तथा कम पैसों में बेच देते है। जिनमें भिन्न-भिन्न स्थानो से चुराई गयी 08 मोटरसाइकिलों को हम दोनों नें धर्मशाला व घोरावल रोड पर बकरारा पुलिया के पास बने सुनसान मकान में रखा है । उपरोक्त दोनो व्यक्तियों के निशानदेही पर बकरारा पुलिया के पास बने सुनसान मकान से चोरी की गयी 08 मोटरसाइकिल बरामद की जिनके इंजन नंबर/ नम्बर प्लेट खुरचे हुए थे तथा कुछ में नम्बर प्लेट नहीं थे। इस सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 724/2022 धारा 379, 411, 413, 420, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार व संपादक केएन सिंह के निधन पर पत्रकारों ने किया शोक सभा का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
(डाला) सोनभद्र। शरीर मिट जाता है लेकिन कलमकार की कलम सदैव अमर रहती है। यह

लाइन अक्सर आपने डाला,ओबरा और जनपद के पत्रकारों को सुनने को मिलता था। यह कथन आग अंगारे के संपादक वरिष्ठ पत्रकार केएन सिंह जी अक्सर जो कलम की दुनिया में कदम रखता था उससे कहते थे।सच में आज वह कलम का पुजारी हमारे बीच में नही है लेकिन उनके लेख, शब्द और समाचार आज भी कहीं ना कहीं सुनने को मिल जाता है। दैनिक अखबार आग अंगारे के संपादक वरिष्ठ पत्रकार केएन सिंह के स्वर्गवास होने पर बृहस्पतिवार को सुबह दस बजे भारतीय मिडिया फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष अशोक कनौजिया के नेतृत्व में डाला शहिद स्मारक परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें डाला क्षेत्र के पत्रकारों ने श्री केएन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया। मिली जानकारी के अनुसार दैनिक आग अंगारे के संपादक वरिष्ठ पत्रकार श्री केएन सिंह बिते बुधवार उन्होंने ओबरा स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली जो कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे उनके दिवंगत होने की खबर सुनते जनपद भर में शोक की लहर दौड़ गई । इस दौरान भारतीय मीडिया फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष अशोक कनौजिया जी ने कहा कि हम लोगों के पत्रकारिता जगत के स्तंभ हम लोगों के गाजिय्न के एन सिंह जी के निधन से कमी हमेशा बनी रहेगी वह एक अच्छे लेखक और एक एक अच्छे वक्ता भी थे उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने का काम किया मौके पर मौजूद संवाददाता सुऐब अहमद ने कहा कि आग अंगारे में केएन सिंह जी के द्वारा लिखे समाचार और शब्दों के बाण जनपद के जिम्मेदार प्रतिनिधित्व करने वालो को जन समस्याओं पर विचार हेतु विवश कर देते थे।वरिष्ठ होने के बावजूद खबर के संकलन में वो नौजवान पत्रकारों से भी आगे रहते थे। ऐसे समाज के एक सजग प्रहरी को खोना पत्रकारिता जगत के लिए एक बहुत बड़ी छति है। इस मौके पर अशोक कनौजिया, अर्जुन सिंह, मिथिलेश भारद्वाज, सुएब खान, अनिल कुमार अग्रहरी ,कैलाश बिहारी, अनिल जयसवाल, बृजेश उर्फ मंटू शर्मा, सुनील पाठक उर्फ सोनू ,शामिल रहे।

17 साल बाद इंग्लैंड दौरे पर अफरीदी को याद आई पिच टेंपरिंग की साजिश जब उन पर लग गया था बैन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहीद अफरीदी अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। आए दिन क्रिकेट और क्रिकेटर्स को लेकर उनकी प्रतिक्रिया सुखिर्यों में रहती है लेकिन अब जब इंग्लैंड की टीम 17 साल बाद पाकिस्तान के दौरे पर है तो उन्हें 2005 की एक घटना याद आई है जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में एक गलती की थी जिसके कारण उन्हें 1 टेस्ट और 2 वनडे मैचों के लिए बैन कर दिया गया था। अफरीदी ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने इस बारे में शोएब मलिक से भी राय ली थी और मलिक ने ही उन्हें यह करने के लिए अपनी सहमति दी थी। समा टीवी से बात करते हुए अफरीदी ने 17 साल पुरानी होने वाली उस घटना को याद करते हुए कहा है कि ठयह एक अच्छा सीरीज था। वह टेस्ट फैसलाबाद में था। मेरा विश्वास करो, यह एक टेस्ट था और गेंद न तो टर्न ले रही थी, न ही उसे कोई स्विंग या सीम मिल रही थी। काफी उबाऊ मैच चल रहा था। मैं अपनी पूरी ताकत लगा रहा था और कुछ नहीं हो रहा था। तभी अचानक एक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया और सभी का ध्यान उस ओर चला गया। मैंने मलिक से कहा, 'मेरा दिल चाह रहा है मैं इधर पैच बना दूं जिससे बॉल तो टर्न हो। शोएब मलिक ने जवाब दिया, 'कर दे। कोई नई देख रहा' तो मैंने ऐसा किया! और फिर जो हुआ वह इतिहास है। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो आपको पता चलता है कि यह एक गलती थी, अफरीदी ने हंसते हुए कहा। अफरीदी के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए 27 टेस्ट, 398 वनडे और 99 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

लॉर्ड्स वनडे को लेकर हरमन ने कही खास बात, आखिरी बार मैदान में उतरेंगी झूलन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुकी टीम इंडिया के लिए तीसरा वनडे बेहद खास है। लॉर्ड्स में खेला जाने वाला यह आखिरी वनडे की नजर जीत के साथ झूलन को विदाई देने पर होगी। तीसरे मैच से पहले टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि 'लॉर्ड्स का मैच हमारे लिए बहुत खास है क्योंकि यह झूलन का रिटायरमेंट मैच है और जब आप पहला मैच जीतते हैं, तो दूसरा मैच हमेशा महत्वपूर्ण होता है और हम हमेशा उस मैच को जीतने वाले पक्ष के रूप में खत्म करने की कोशिश करते हैं और आज भी हम इसे केवल इसलिए देख रहे थे क्योंकि

भारती स्पीडस्टार झूलन गोस्वामी के लिए फेयरवेल मैच होगा जिसको लेकर कप्तान हरमनप्रीत सहित पूरी टीम इमोशनल है। स्मृति मंधाना पहले ही कह चुकी है कि यह सीरीज पूरी तरह से झूलन गोस्वामी को समर्पित है और कप्तान हरमन ने भी कमोबेश यही बात दोहराई है। टीम सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त पहले ही हासिल कर चुकी है और अब टीम हम बिना किसी दबाव के उस मैच का आनंद लेना चाहते थे और मैं वास्तव में खुश हूं कि हम आज जीतने में सफल रहे और अब हम बस उस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेंगे। हरमनप्रीत ने आगे कहा कि ठयह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह उसका आखिरी मैच होगा। यह हम सभी के लिए बहुत ही भावुक कर देने वाला क्षण होगा और हम निश्चित रूप से उस मैच को जीतना चाहते हैं। हम अपने आप पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं लेना चाहते हैं। मैच की बात करें तो बुधवार को खेले गए दूसरे वनडे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हरमनप्रीत कौर के नाबाद 143 रनों की पारी की बदौलत 333 रनों का स्कोर खड़ा किया और फिर बाद में रेणुका सिंह ने 4 विकेट लेकर इंग्लैंड टीम को 245 रनों पर ऑलआउट करके 88 रनों के बड़े अंतर से मैच अपने पक्ष में कर लिया।

23 साल बाद भारतीय महिला टीम ने हरमनप्रीत की कप्तानी में इंग्लैंड में जीती वनडे सीरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 143) के शतक और हरलीन देओल (58) के अर्धशतक की मदद से भारत ने बुधवार को खेले गए दूसरे वनडे मैच में इंग्लैंड को 88 रनों

से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की और वनडे सीरीज जीत ली। इससे पहले भारतीय टीम ने 1999 में इंग्लैंड से वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी हरमनप्रीत कौर के दम पर भारत ने पांच विकेट पर 333 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हरमनप्रीत ने 111 गेंदों का सामना करते हुए अपनी नाबाद पारी में 18 चौके और चार छक्के जड़े। हरलीन ने 72 गेंद खेलीं जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। जवाब में इंग्लैंड की टीम 44.2 ओवर में 245 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए डैनी वाइट (65) ने सर्वाधिक रन बनाए। भारत के लिए रेणुका सिंह (4/57) ने सर्वाधिक विकेट लिए। भारत की तरफ से इस वनडे सीरीज के पहले मैच में शानदार पारी खेलने वाली स्मृति मंधाना ने 40 रन की पारी खेली और वो इस दौरान भारत की तरफ से वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाली महिला बल्लेबाजी भी बनीं और मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसके अलावा शेफाली वर्मा ने 8 रन, पूजा वस्त्रकार ने 18 रन और दीप्ति शर्मा ने नाबाद 15 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की तरफ से डेनियल वाट ने सबसे बड़ी पारी खेली और 58 गेंदों पर 61 रन बनाए। इसके अलावा ऐलिस कैप्सी ने 39 रन जबकि खुद कप्तान एमी जोन्स ने भी टीम के लिए 39 रन बनाए, लेकिन ये उनकी जीत के लिए काफी नहीं रही। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया और पूरी टीम 44.2 ओवर में भारतीय गेंदबाजों के सामने 245 रन पर ही सिमट गई।

गौतम गंभीर की कप्तानी में इंडिया कैपिटल्स ने दिखाया दम और इरफान पठान की टीम को कर दिया बेदम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के आलराउंडर सोलोमन मायर ने इकाना में भीलवाड़ा किंग्स के गेंदबाजों पर कहर बरपाया। उन्होंने 38 गेंदों में 82 रन की धुआंधार पारी खेल भीलवाड़ा के खेमे में खलबली मचा दी। कोलकाता में गुजरात जाइंट्स से मिली हार के बाद इंडिया कैपिटल्स ने गौतम गंभीर की कप्तानी में बुधवार को भीलवाड़ा किंग्स को 78 रनों से हराया। इस मैच में इंडिया ने मात्र 24 रनों पर कप्तान गौतम गंभीर का विकेट गंवा दिया था। कप्तान गौतम गंभीर ने इस मैच में 12 रन की पारी खेली। वहीं दिनेश रामदीन ने 20 रन बनाए जबकि एश्ले नर्स ने सिर्फ 10 रन बनाए। मणिपाल के खिलाफ पिछले मुकाबले में धाकड़ बल्लेबाजी करने वाले यूसुफ पठान ने इंडिया कैपिटल्स के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की। वह अपने कोटे के चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट झटक लिए। टिनो बेस्ट दो

कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 198 रन बनाए, लेकिन इसके जवाब में इरफान पठान की कप्तानी वाली भीलवाड़ा किंग्स 19.2 ओवर में 120 रन पर आलआउट हो गई और उसे 78 रन से हार मिली। दो मैचों में इंडिया कैपिटल्स की यह पहली जीत रही जबकि भीलवाड़ा किंग्स को इतने ही मैचों में पहली हार मिली। इंडिया कैपिटल्स के लिए सोलोमन मीर और हेमिल्टन मासाकाद्जा (48) की शतकीय साझेदारी कर पांच विकेट पर 198 रनों के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। सोलोमन और हेमिल्टन ने ऐसे वक्त में दूसरे विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की, जब इंडिया कैपिटल्स ओवर में 19 रन खर्च कर एक विकेट लिए। वेरिएशन में फंसे भीलवाड़ा किंग्स बल्लेबाजी में नाकाम रहे कप्तान गंभीर ने अपनी कप्तानी की समझ का उपयोग मैदान में किया और आठ गेंदबाजों का उपयोग करते हुए भीलवाड़ा किंग्स को वेरिएशन में फंसा लिया। इरफान पठान की कप्तानी वाली यह टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही और अंत में 19.2 ओवरों में 120 रनों पर सिमट गई। भीलवाड़ा किंग्स की तरफ से यूसुफ पठान ने 14 रन, नमन ओझा ने 20 रन, तन्मय श्रीवास्तव ने 27 रन जबकि कप्तान इरफान पठान ने 17 रन की पारी खेली।

दूसरे टी20 के लिए नागपुर पहुंची टीम इंडिया, सीरीज में वापसी के लिए जीत जरूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 3 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच के लिए टीम इंडिया नागपुर पहुंच चुकी है। दूसरा टी20 मैच नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआइ की तरफ से पोस्ट किए एक वीडियो में टीम के नागपुर पहुंचने की जानकारी साझा की गई है। इस वीडियो मे टीम के एयरपोर्ट से होटल तक का सफर है और यदि टीम इंडिया को सीरीज में वापसी करनी है तो 23 सितंबर को होने वाले मैच में हर हाल में जीतना होगा। मोहाली में हुए पहले टी20 मैच में टीम इंडिया को 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक पांड्या के 71 रनों की पारी के दम पर 208 रनों का स्कोर खड़ा किया था बावजूद इसके गेंदबाज इस स्कोर

दिखाया गया है। टीम इंडिया को लेकर नागपुर में फैंस का उत्साह देखने लायक था। होटल के बाहर फैंस अपने पंसदीदा खिलाड़ियों के दीदार के लिए काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान होटल स्टाफ ने टीम का का जोरदार स्वागत भी किया। फैंस अपने पंसदीदा खिलाड़ियों से ऑटोग्राफ लेते हुए भी नजर आए। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि रिषभ पंत और सूर्यकुमार यादव ने अपने फैंस को ऑटोग्राफ दिए। 3 मैचों की सीरीज में फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे को डिफेंड नहीं कर पाई। उस मैच में टीम इंडिया की डेथ ओवर गेंदबाजी एक बार फिर से फेल हुई थी और आखिरी 5 ओवर में गेंदबाजों ने 61 रन लुटाए थे। इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी चिंता का कारण रही थी। मैच में टीम इंडिया की तरफ से 3 कैच छोड़े गए थे जिसमें कैमरोन ग्रीन और मैथ्यू वेड के कैच थे जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। यदि टीम को सीरीज में वापसी करनी है तो इस मैच में अपनी गेंदबाजी के साथ-साथ फील्डिंग में भी सुधार करना पड़ेगा।

राशिफल

मेष-: खुशियों से भरा एक अच्छा दिन। आज आपके सामने आने वाले निवेश के नए अवसरों पर विचार करें।

वृष-: आज का दिन एक नया तोहफा लेकर आया है। आज आपके मन में कई सकारात्मक भावनाएँ आएंगी।

मिथुन-: आज आपको काम की गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। अजनबियों पर ज्यादा भरोसा न करें। थकान और चिंता रहेगी।

कर्क-: एक सज्जन के दिव्य वचन आपको संतुष्टि और सांत्वना देंगे। क्रेडिट मांगने वाले लोगों को अनदेखा करें।

सिंह-: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। माता की कृपा से किए गए कार्यो में आपको सफलता मिल सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या-: आज सुबह आपका मन क्रोधित रहेगा। व्यर्थ का धन व्यय होगा। अगर किसी को गुमराह किया जा रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं, लेकिन आपको इसे गुप्त रूप से करन।

तुला-: अब इसका कोई भी उपयोग दिल पर अतिरिक्त दबाव डालेगा। आप में शीघ्र धन कमाने की प्रबल इच्छा होगी। ऐसा लगता है कि आप पारिवारिक मोर्चे पर बहुत खुश नहीं हैं

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी जरूरी काम में सीनियर आपकी मदद कर सकते हैं, जिससे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

धनु-: आज किसी व्यवसायी व्यक्ति को नया बिजनेस पार्टनर या ऑफर मिल सकता है। अविवाहितों को लंबे समय बाद मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर-: आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। आप यात्रा करने और पैसे खर्च करने के मूड में रहेंगे - लेकिन अगर करते हैं।

कुंभ-: आज का दिन आत्मविश्वास और उम्मीदों से भरा दिन है। आप जीवन में कुछ करने का निणय्य ले सकते हैं, कुछ नए अनुभव आपको प्राप्त होंगे।

मीन-: प्रेमी का साथ पाना आज सबसे बड़ी चुनौती होगी। आपका प्रेमी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। किसी मित्र को परेशानी या परेशानी में देखकर आप भावुक हो जाएंगे।

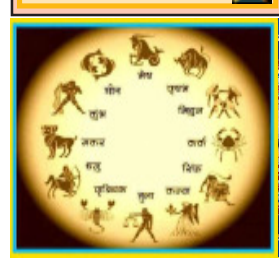

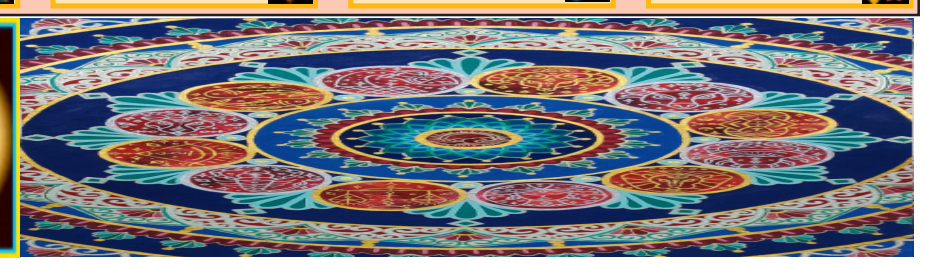

टी-20 विश्व कप 2022 से पहले भुवनेश्वर की अंतिम ओवरों में गेंदबाजी चिंता का विषय

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अगले महीने शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप 2022 से पहले सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का अंतिम ओवरों में खराब प्रदर्शन भारत के लिए चिंता है। सुनील गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि बहुत अधिक ओस थी। हमने क्षेत्ररक्षकों या गेंदबाजों को अपनी अंगुलियों को सुखाने के लिए तौलिये का उपयोग करते नहीं देखा। यह कोई बहाना नहीं है। हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। उदाहरण के लिए, वहां 19वां ओवर, वह वास्तविक चिंता का विषय है। भुवनेश्वर जैसे गेंदबाज को जब भी गेंद सौंपी जा रही है तो वह हर बार रन लुटा रहे हैं। उसके जैसे अनुभव और क्षमता के गेंदबाज के से आप आशा करते हैं कि वह उन 18 गेंद में 35 से 36 रन देगा। यह वास्तव में चिंता का विषय है।' पूर्व

कप्तान ने कहा कि भारत अच्छे स्कोर का बचाव करने में भी सफल नहीं हो पा रहा, लेकिन उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह की वापसी से गेंदबाजी विभाग को मजबूती मिलेगी। बुमराह इस साल जुलाई में इंग्लैंड के विरुद्ध सीमित ओवरों की सीरीज के बाद से ही बाहर हैं क्योंकि वह पीठ की पुरानी चोट से उबर रहे थे। गावस्कर ने कहा, 'हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि यह उन क्षेत्रों में से एक रहा है जहां भारत को नुकसान उठाना पड़ा है। वे अच्छे स्कोर का बचाव करने में भी सक्षम नहीं हैं। हो सकता है कि जब बुमराह आए तो यह पूरी तरह से अलग स्थिति हो क्योंकि वह शीर्ष क्रम के विकेट चटकाते हैं। भारत को पहले टी-20 में नहीं मिले क्योंकि आस्ट्रेलिया ने तेजतर्रार शुरुआत की। यह केवल पहला मैच था। मत भूलिए कि आस्ट्रेलिया विश्व चैंपियन है। उनसे असाधारण चीजें करने की आशा की जाती है।' आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ अब भारत को दूसरा टी20 मैच 23 सितंबर को नागपुर में खेलना है।

बल्ला नहीं चला तो फिर से भारी दबाव में आ जाएंगे विराट

(आधुनिक समाचार सेवा)
कोलकाता। विराट कोहली ने काफी समय तक खराब फार्म से जूझने के बाद जब एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन किया तो भारतीय क्रिकेटप्रेमियों ने राहत की सांस ली। टूर्नामेंट में भारत के आखिरी मैच में विराट ने शतक जड़ा तो उनके चेहरे और भी खिल उठे। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि कोहली ने लगभग तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जमाया था। और तो और, अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में यह उनका पहला शतक भी था।शतक जड़ने के बाद विराट के चेहरे पर जो खुशी झलक रही थी, उससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता था कि उन्हें कितना सुकून मिला था, मानों सिर से बहुत बड़ा बोझ हट गया हो, लेकिन विराट की अगिनपरीक्षा अभी खत्म नहीं हुई है। वैसे विराट जैसे बड़े खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां संन्यास लेने तक खत्म हो भी नहीं सकतीं। वे शतक जमाकर फार्म में लौटे और अब उनके सामने उस लय को बरकरार रखने की चुनौती है, खासकर आस्ट्रेलिया में अगले महीने होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए। टी-20 विश्वकप से पहले भारत को तीन-तीन मैचों की दो घरेलू टी-20 सीरीज खेलनी है। पहली आस्ट्रेलिया और दूसरी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ।आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज शुरू हो चुकी है। क्रिकेट समीक्षकों का कहना है कि एशिया

कप के मुकाबले ये दोनों सीरीज टीम इंडिया के लिए बहुत ज्यादा कठिन हैं क्योंकि आस्ट्रेलिया मौजूदा टी-20 चैंपियन है तो दक्षिण अफ्रीका 2011 के बाद से भारत में क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में कोई सीरीज नहीं हारा है। आस्ट्रेलिया ने चंडीगढ़ में भारत को पहले मैच में चार विकेट से हराकर यह संकेत दे दिया है कि उसी की सरजमीं पर होने जा रहे टी-20 विश्वकप में उससे चैंपियन का खिताब छीनना इतना आसान नहीं होने वाला। दरअसल, विराट के लिए एक बड़ा सिरदर्द यह भी है कि उनसे हर मैच में बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। रन बनाने पर जहां उनकी जमकर प्रशंसा होती है, वहीं विफल होने पर उन्हें कड़ी आलोचना भी झेलनी पड़ती है।क्रिकेट समीक्षकों के एक वर्ग का मानना है कि एशिया कप में पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, हांगकांग और अफगानिस्तान जैसी टीमों से भारत का मुकाबला हुआ। ये सभी टीमें इस वक्त आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जितनी मजबूत नहीं हैं, फिर भी भारत अपना खिताब नहीं बचा पाया। टी-20 विश्वकप में भारत को इन दोनों के साथ ही इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जैसी बेहद मजबूत टी-20 टीमों का भी सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा वेस्टइंडीज भी है, जो दो-दो बार टी-20 क्रिकेट विश्वकप जीत चुका है। भारत को अगर इन टीमों को पछाड़कर फिर से टी-20 क्रिकेट का सरताज बनना है तो विराट का बल्ला एशिया कप की तरह चलना बहुत जरूरी है क्योंकि बल्लेबाजी में सबसे ज्यादा उम्मीदें उन्हीं से होंगी। टी-20 विश्वकप से पहले विराट के पास अभी भी पांच टी-20 मैच हैं, जिनमें उन्हें अपनी लय बरकरार रखनी होगी। वैसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के बाद तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज भी है। क्रिकेट में दिलचस्पी रखने वाले मनोविज्ञानियों का कहना है कि ये आठ मैच विराट के लिए बेहद अहम होने वाले हैं क्योंकि अगर इनमें विराट का बल्ला नहीं चला तो वे फिर से भारी दबाव में आ जाएंगे, जिसका उनके टी-20 विश्वकप में प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। इसके उलट अगर विराट इन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हैं तो वे बेहद आत्मविश्वास के साथ टी-20 विश्वकप में उतरेंगे।

सम्पादकीय

स्थापित धारणाओं को बदलती नारी शक्ति और इसके राजनीतिक मायने

विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के पीछे महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अधिकारिक आंकड़ों को देखें, तो लगता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार तुलनात्मक रूप से महिलाओं के लिए काफी बेहतर काम कर रही है। किसी भी समाज के विकास का आधार तत्व महिलाएं होती हैं। समाज में उनकी स्थिति से उस समाज की दिशा की पहचान होती है। इतिहास बताता है कि मातृसत्तात्मक समाज में विकास ज्यादा मानवीय और संतुलित तरीके से होता रहा है। महिलाओं को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ी है और भारत भी उससे अलग नहीं है। केंद्र और कई राज्यों की सरकारें इस दिशा में प्रयास करती हुई दिख भी रही हैं। राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। लेकिन क्या यह काफी है, इस पर सोचने की जरूरत है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में पहली बार एक महिला निर्मला सीतारमण रक्षामंत्री बनीं, तो एक हलचल-सी मच गई कि एक महिला रक्षामंत्री कैसे हो सकती है? वहां कठोर निणय लेने होते हैं। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और महिलाओं को कमतर मानने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया। आज वह देश की वित्तमंत्री हैं। यही बात प्रधानमंत्री के तौर पर इंदिरा गांधी के बारे में भी लागू होती है। ये दोनों उदाहरण यह साबित करते हैं कि मौका मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं और समाज में बनी हुई धारणा को बदल सकती हैं। समुचित शिक्षा, पौष्टिक आहार, नौकरियों में अवसर, स्वरोजगार और महिला केंद्रित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी के लिए उनका मनोबल बढ़ाता है। केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना, पीएम स्वामित्व योजना, पीएम स्व-निधि योजना से समाज के सबसे निचले तबके की महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है। गुजरात और मध्य प्रदेश में महिलाओं को स्वयंसेवी संगठनों से जोड़कर आर्थिक तौर पर मजबूत करने का अच्छा प्रयास दिखता है। बिहार में नीतीश कुमार ने महिलाओं को लेकर कई कदम उठाए। चुनाव में शराबबंदी का लाभ भी मिला, लेकिन राजद की महिला विरोधी छवि के कारण उसका प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा। सबसे बुरा हाल पंजाब का है। इसी परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहनीय पहल का भी जिक्र जरूरी है। आज 22 सितंबर को उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्र का एक पूरा दिन महिलाओं के नाम किया जा रहा है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारी भी महिला ही होंगी और दिन भर महिलाओं के स्वावलंबन, सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर सदन के सदस्य चर्चा करेंगे। इसमें 47 विधानसभा और छह विधान परिषद की महिला सदस्यों की विशेष भागीदारी होगी। योगी सरकार द्वारा नारी सशक्तीकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति पर भी सदस्य अपनी बात रखेंगे। ऐसा देश में पहली बार हो रहा है। इसके राजनीतिक मायने जो भी हों, लेकिन इससे हर कोई सहमत होगा कि यह कदम महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। यूपी में गुंडे, माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई से महिलाओं के खिलाफ अपराध में भी कमी आई है। एनसीआरबी के नए आंकड़े इसका समर्थन भी करते हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के पीछे महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अधिकारिक आंकड़ों को देखें, तो लगता है कि योगी आदित्यनाथ सरकार तुलनात्मक रूप से महिलाओं के लिए काफी बेहतर काम कर रही है। सरकार द्वारा जारी मिशन शक्ति के आंकड़े में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े पांच साल में एक लाख से अधिक महिलाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाकर एक करोड़ महिलाओं को जोड़ा गया है। इसमें एक बात का विशेष उल्लेख जरूरी है। पोषण मिशन के तहत प्रदेश में पुष्टाहार वितरण का हजारों करोड़ का कार्य है, जिस पर शराब सिंडिकेट से जुड़े लोगों का कब्जा था। योगी आदित्यनाथ ने न सिर्फ इस सिंडिकेट को तोड़ा, बल्कि यह पूरा काम महिला स्वयंसेवी संगठनों के जरिये कराने का निणय लिया। इससे छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के बीच पुष्टाहार की आपूर्ति गुणवत्ता के साथ होने लगी और शिशु-मातृ मृत्युदर में काफी कमी भी आई। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की विधानसभा में महिलाओं के मुद्दे पर चर्चा होना इसी सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

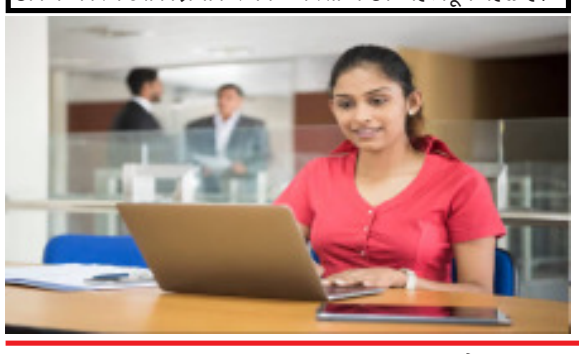

नई प्रधानमंत्री लिज ट्रस की चुनौतियां और मजबूत होते रणनीतिक-आर्थिक संबंध

विश्लेषकों का मानना है कि भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि यह व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में महत्वपूर्ण भागीदार है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री लिज ट्रस सहयोग के नए युग की शुरुआत कर सकती हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के कारण ब्रिटिश नागरिकों के लंबे दुख और शोक की घड़ी वहां की नई प्रधानमंत्री लिज ट्रस के लिए परीक्षा की घड़ी रही होगी, जो भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ रिश्तों को मजबूत करने के लिए लिए तैयार हैं। मार्गरेट थैचर (53) और टेरीजा मे (59) की तुलना में युवा महिला प्रधानमंत्री के रूप में लिज ट्रस (50) को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जो उन्हें अपनी पार्टी के पूर्ववर्ती नेता बोरिस जॉनसन से विरासत में मिली है। दूसरी बात यह है कि महारानी के निधन ने उनके समक्ष नए सम्राट चार्ल्स तृतीय से निपटने की चुनौती पैदा कर दी है, क्योंकि वह स्थापित विरासत को जारी रख सकते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ट्रस यूनिवर्सिटी के लिबरल डेमोक्रेट की प्रेसिडेंट बनीं और राजशाही को खत्म करने के पक्ष में बोलीं थी, इसलिए उन्हें अपनी उस छवि को बदलने के सुनिश्चित प्रयास करने होंगे। तीसरी बात, ट्रस ने ऐसे समय में पदभार ग्रहण किया है, जब ब्रिटेन को ब्रेग्जिट के गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ रहा है और अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव ने आम लोगों के जीवन और उद्योग को काफी प्रभावित किया है। मुद्रास्फीति चालीस साल के उच्चतम स्तर (10.1) पर है, जो भविष्य में और भी बढ़ सकती है। चौथी बात, ऊर्जा बिलों के बारे में ट्रस के निणय का व्यापक प्रभाव हो सकता है, क्योंकि औसत ब्रिटिश परिवारों की सीमा प्रति वर्ष 2,500 पाउंड होगी, जो अक्तूबर के नियोजित स्तर से 1,000 पाउंड कम है, इसलिए वह ब्रिटेन के ऊर्जा स्रोतों-अक्षय ऊर्जा

और परमाणु ऊर्जा- में विविधता लाने के लिए मजबूर होंगी। पांचवीं बात, रूस के साथ भारत की नरम कूटनीति के प्रति उनकी तीव्र अस्वीकृति के कारण, उन्हें भारत के प्रति तर्कसंगत राजनयिक दृष्टिकोण अपनाने में समय लग सकता है। छठी बात, वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले ट्रस को पार्टी सांसदों को एकजुट करने का भी कठिन काम करना होगा, क्योंकि उन्हें विरासत में विभाजित पार्टी मिली है और मुख्य रूप से आर्थिक मंदी के कारण जनमत सर्वेक्षणों में पीछे है। प्रधानमंत्री पद की दौड़ में ऋषि सुनक उनसे सम्मानजनक तरीके से हार गए। इसलिए उन्हें उन लोगों में एक नया विश्वास पैदा करना होगा, जिन्होंने उनकी नीतियों के खिलाफ मतदान किया। सातवीं बात, ब्रेग्जिट के बाद के व्यवधान अब भी महसूस किए जा रहे हैं और ट्रस को बदहाल राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा, रेलवे और अन्य बीमार औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्रेग्जिट के बाद की जटिलताएं, बड़ी संख्या में प्रवासियों के आने की चुनौती और स्कॉटिश स्वतंत्रता की फिर से मांग उठने से उनका संकट बढ़ सकता है। नस्लीय भेदभाव ब्रिटेन के सभी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों के लिए परेशानी का सबब रहा है, जिससे निपटने के लिए नए प्रधानमंत्री को प्रभावी रणनीति अपनानी होगी। इसके अलावा, लिज के सामने पर्यावरणीय संकट से निपटने का कठिन काम है, जिसके समाधान पर ध्यान देना अनिवार्य है। जहां तक भारत से रिश्तों की बात है, तो पूर्व प्रधानमंत्री जॉनसन के साथ हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत रिश्ता बहुत अच्छा था। लेकिन रूस के प्रति ट्रस का सख्त और आक्रामक तेवर तथा पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीदने की भारत की नीति समस्याएं पैदा कर सकती है। हालांकि लिज लचीलेपन का विकल्प चुन सकती है, क्योंकि वह भारत-ब्रिटेन मित्रता की प्रबल समर्थक रही हैं। वह उन वरिष्ठ ब्रिटिश नेताओं में से है, जो भारत-ब्रिटेन के रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को मजबूत बना रहे हैं। व्यापार मंत्री के रूप में, ट्रस ने पिछले साल मई में भारत-ब्रिटेन के भावी संबंधों के लिए एक रोडमैप-2030 तैयार किया था, जो दोनों देशों के बीच आभासी शिखर सम्मेलन में जारी किया गया था। दोनों देश व्यापार और निवेश, रक्षा और प्रवास की प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में लाभप्रद प्रयासों को और तेज करने पर सहमत हुए थे। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री के रूप में, ट्रस ने बोरिस जॉनसन के नेतृत्व वाली सरकार के लिए इंडिया-यूके एन्हांस्ड ट्रेड पार्टनरशिप (ईटीपी) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के शुरुआती बिंदु को चिह्नित किया था। ईटीपी पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद ट्रस ने भारत को बड़ी क्षमता वाला राष्ट्र बताया था।

संकट खड़ा करते बांग्लादेशी घुसपैठिए, बिहार के भी कुछ इलाकों में इनकी बढ़ती संख्या चिंता का विषय

आम तौर पर इस तथ्य से सभी अवगत हैं कि बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आए लोगों ने असम, बंगाल आदि राज्यों के अनेक हिस्सों में जनसंख्या के असंतुलन को बढ़ाने का काम किया है, लेकिन ऐसी ही स्थिति बिहार और झारखंड में भी बन रही है। चिंता की बात यह भी है कि बांग्लादेशी नागरिकों के साथ रोहिंग्या लोगों की भी देश में घुसपैठ हो रही है। नेपाल और बंगाल से लगा बिहार का सीमावर्ती जिला पूणिया विभाजित होकर चार जिलों में बंट गया है। इसमें से एक किशनगंज मुस्लिम बहुल जिला है और कटिहार एवं अररिया में जिस प्रकार मुस्लिम जनसंख्या में वद्धि हो रही है, उसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि निकट भविष्य में ये जिले भी मुस्लिम बहुल हो जाएंगे। कटिहार जिले के बारसोई प्रखंड में 1961 में हिंदू जनसंख्या 43,549 थी, जो 1971 में बढ़ने के बजाय घटकर 40,969 रह गई। अगस्त 1979 में असम में जब बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ वहां के लोगों ने आंदोलन छेड़ा, तब बिहार में भी हो रही घुसपैठ पर यहां के लोगों का ध्यान गया। 22 जुलाई, 1981 को बिहार विधानसभा में एक चर्चा में तब जनता पार्टी के विधायक रहे गणेश प्रसाद यादव ने कहा था, 'पूणिया में बांग्लादेशी घुसपैठियों का आना जारी है और वे ऊंची कीमतों पर जमीन खरीद कर बसते जा रहे हैं।' 19 जुलाई, 1982 को भाजपा के जनार्दन तिवारी के एक प्रश्न पर तत्कालीन सरकार ने यह स्वीकार किया था कि कुछ घुसपैठियों को बांग्लादेश लौटाया गया है। बिहार सरकार ने यह भी स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार के निर्देश पर उसने घुसपैठियों की पहचान एवं उनके निष्कासन की योजना बनाकर उन्हें भेज दिया है। एक समय पूणिया से माकपा के पूर्व विधायक अजीत सरकार ने भी बिहार में हजारों की संख्या में घुसपैठियों के आने की बात स्वीकारी थी। जुलाई 1992 में विधानसभा में घुसपैठ का प्रश्न उठाते हुए सुशील कुमार मोदी ने बिहार के 12 जिलों में घुसपैठ की बात कही थी, लेकिन 2009 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूणिया की एक सभा में घुसपैठ को नकार दिया था। हालांकि पिछली सदी के अंतिम दशक में घुसपैठ विरोधी संघर्ष समिति के बैनर तले बिहार में बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन चला, लेकिन बाद में यह विषय ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। केंद्र सरकार ने 2020 में जब राष्ट्रीय नागरिकता पंजीयन यानी एनआरसी बनाने की बात कही तब बिहार विधानसभा में एक प्रस्ताव रखा गया कि 'बिहार में राष्ट्रीय नागरिकता पंजीयन की कोई आवश्यकता नहीं है।' वर्ष 1951 से 2011 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम जनसंख्या में 4.31 प्रतिशत की वद्धि हुई, जबकि संयुक्त पूणिया जिले में उनकी आबादी में 13.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 1956 में राज्य पुनर्गठन के बाद कुछ मुस्लिम बहुल प्रखंडों एवं पंचायतों को बंगाल को दे दिया गया। 1961 से 2011 तक के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि इस दौरान राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम जनसंख्या में 3.52 प्रतिशत की वद्धि हुई, पर इस अवधि में पूणिया में मुस्लिम जनसंख्या 8.26 प्रतिशत बढ़ी। 1961 में वर्तमान किशनगंज के सात प्रखंडों में से दो प्रखंडों में हिंदू बहुमत में थे, जिसमें से एक प्रखंड अब नए जिले का न केवल मुख्यालय है, बल्कि यह पूर्वोत्तर के राज्यों को भारत से जोड़ने का एकमात्र रेलवे एवं सड़क मार्ग है। यहां पांच दशकों में मुस्लिम जनसंख्या 14.19 प्रतिशत बढ़ी है। इसे ही 'चिकन नेक' कहा जाता है और यह अब मुस्लिम बहुल प्रखंड हो गया है। घुसपैठ के कारण मुस्लिम बहुल हुए इस प्रखंड को ही भारत से काटने की धमकी जेल में बंद शरजील इमाम ने दी थी। किशनगंज की ही

तरह कटिहार जिले का बारसोई प्रखंड आवागमन की दृष्टि भारत के लिए महत्वपूर्ण है। यह रेलवे का जंक्शन है। उपरोक्त पांच दशकों में बारसोई प्रखंड में मुस्लिम जनसंख्या में 16.33 प्रतिशत वृद्धि हुई। सितंबर 2021 में बिहार सरकार में मंत्री रहे रामसूरत राय ने जब यह कहा था कि घुसपैठिए आकर मठ, मंदिर और भूदान की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं तो उन्हें नीतीश सरकार से बाहर करने की मांग जदयू के लोगों ने भी उठाई थी। न केवल घुसपैठिए, बल्कि बांग्लादेश के किनन्र भी पटना में आकर भारतीय किनन्रों के रोजगार छीन रहे है। पिछले साल पटना में भारतीय किनन्रों ने इसे लेकर प्रदर्शन भी किया था। पिछले महीने कटिहार रेलवे स्टेशन पर कई रोहिंग्या युवतियां पकड़ी गई, जिन्हें बांग्लादेशी नजरूल दिल्ली भेज रहा था। पिछले साल अक्टूबर में दिल्ली में पकड़े गए पाकिस्तानी अशरफ के पास से जो पासपोर्ट मिला था, उसे किशनगंज के एक सरपंच ने बनवाया था। आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र बनवाकर देश की सुरक्षा को खतरे में डालने के इस षड्यंत्र को रोकने में सरकार असफल रही है। पूणिया जिले के मुस्लिम बहुल बायसी प्रखंड में गत वर्ष मई में अनुसूचित जाति के लोगों के घरों को एक भीड़ ने जला दिया था और उन्हें गांव छोड़ने की धमकी दी थी। जिले का माहौल कैसा है, इसका एक प्रमाण यह है कि पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी सीमावर्ती जिलों में घुसपैठियों के बारे में सूचना देने के लिए कुछेक को छोड़कर किसी जिले के प्रशासन ने न तो कोई विज्ञापन दिया और न ही किसी ने यह कहा कि उसके यहां बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। साफ है बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण पूणिया, किशनगंज, कटिहार तथा अररिया के अनेक प्रखंड मुस्लिम बहुल प्रखंड हो गए हैं। इससे हिंदू पलायन को बाध्य है।

ब्रिटिश राजशाही और भारतीय लोकतंत्र, इसकी महानता को समझने की हर भारतीय को है जरूरत

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान लंबे समय से हिंदू धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं का नाना प्रकार से उपहास उड़ाते आए हैं। हम उनके ऐसे रवैये के अभ्यस्त भी हो गए हैं, लेकिन ये संस्थान शायद ही अपनी उन परंपराओं को ऐसी कसौटी पर कसते हों, जो आधुनिकता के खांचे से पूरी तरह बाहर हैं। हाल में महारानी एलिजाबेथ के निधन और किंग चार्ल्स तृतीय की राजा के रूप में ताजपोशी की लगातार कवरेज में यह एक बार फिर दिखा। तमाम चकाचौंध और समूचे 'साम्राज्य' में युवराज के महाराज बनने की उद्घोषणा के इर्दगिर्द बना माहौल अवश्य ही भारतीयों के लिए कालातीत लगा होगा, जहां 75 साल पहले ही सरदार वल्लभभाई पटेल ने राजे-रजवाड़ों की विदाई करा दी थी। इंटरनेट के इस युग में ब्रिटेन के विभिन्न स्थानों पर ऐसे आयोजन देखना कुछ अजीब लगा हो, लेकिन अगर अंग्रेज अतीत में ही रहना चाहते हैं तो भला शिकायत करने वाले हम कौन होते हैं? वहां राजसत्ता के संक्रमण से जुड़ी प्रक्रियाएं भी लंबी चलीं। मुद्रा, डाक टिकटों और यहां तक कि राष्ट्रगान में महारानी की जगह महाराज को बदला गया। इस मामले में भारतीय परंपराएं उलट हैं। भारत में हम व्यक्ति के कृतित्व और योगदान के सम्मान में डाक टिकट जारी करते हैं और कई मामलों में यह मरणोपरांत होता है। वास्तव में हम भारतीय लोकतंत्र की उन उत्कृष्ट परंपराओं के साथ पले-बढ़े हैं, जहां संवैधानिक प्रविधान पक्षपात के विरुद्ध संरक्षण के साथ ही समता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करते हैं। ऐसी स्थिति में ब्रिटेन की प्रधानमंत्री सहित राजनीतिक बिरादरी के उन तमाम दिग्गजों को दाद देना जरा मुश्किल होगा, जो महारानी के अवसान के उपरांत चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक के समय अग्रिम पंक्ति में 'गोड सेव द किंग' यानी ईश्वर राजा की रक्षा करे का जयघोष कर रहे थे। ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों पर भारत में 'भारत माता की जय' का जयकारा लगाया जाता है तो अमेरिकी कहते हैं कि 'ईश्वर अमेरिका की रक्षा करे।' भारत दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है, मगर पश्चिमी मीडिया में टिप्पणीकार आम तौर पर उसे निंदा भाव से देखते हुए अक्सर अनावश्यक सलाह देते रहते है कि देश कैसे चलाया जाए? वे भारत में राजनीतिक एवं सामाजिक तनावों का छिद्रान्वेषण कर उदारवाद, पंथनिरपेक्षता और लोकतंत्र को लेकर भारतीयों की प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाते हैं। हालांकि वे इस तथ्य पर ध्यान देकर कभी भारत की सराहना नहीं करते कि ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों के उलट भारत एक परिपूर्ण लोकतंत्र है, जिसमें इन मूल्यों का समावेश होने के साथ ही गणतंत्रवाद, विधि के समक्ष समानता और राज्य एवं धर्म के मध्य स्पष्ट अंतर जैसे तत्व समाहित हैं। ये मूल्य भारतीय संविधान में गहराई से समाए हैं और भारतीय राज्य की बुनियाद रखते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो ये तत्व लोकतंत्र के आधारभूत बिंदु हैं, जो ब्रिटेन में नदारद है। इस अवधारणा को विस्तार देना आवश्यक है। भारत एक गणतंत्र है, जहां राष्ट्र प्रमुख का चुनाव होता है। यहां किसी राजवंश से राजा-रानी की व्यवस्था नहीं, जो अन्य नागरिकों की तुलना में विशेषाधिकार लिए हों। हमारे राष्ट्र प्रमुख राष्ट्रपति का पद वंशानुगत नहीं। कोई भी भारतीय उसकी आकांक्षा कर सकता है। देश को सभी भूभागों के साथ ही हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदाय से राष्ट्रपति मिल चुके हैं, जिनकी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि भी अलग-अलग रही हैं। विविधतापूर्ण हिंदू समाज की बात करें तो उससे भी देश को कायस्थ, रेड्डी, दलित और ब्राह्मण जैसी विभिन्न जातियों से राष्ट्रपति मिले हैं। वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जनजाति समुदाय से हैं। यह पद सभी के लिए खुला और किसी राजवंश या धार्मिक व्यवस्था के दायरे में सीमित नहीं। दूसरी ओर ब्रिटिश राजवंश का चर्च आफ इंग्लैंड के साथ प्रगाढ़ रिश्ता है और वह 'पंथ की रक्षा' का प्रण लेता है। वह चर्च आफ स्काटलैंड की रक्षा की शपथ भी लेता है। रोमन कैथोलिक चर्च से जुड़ा व्यक्ति ब्रिटेन में सिंहासन का पात्र नहीं हो सकता। राजा खुद को प्रोटेस्टेंट घोषित करता है। उसे चर्च आफ इंग्लैंड के प्रति निष्ठा व्यक्त करनी होती है। वह चर्च के 'सुप्रीम गवर्नर' के रूप में सेवारत होता है। यह परंपरा 16वीं शताब्दी से चली आ रही है। विवाह के लिए भी उसकी अनुमति आवश्यक है। ऐसा न करने वाला सिंहासन प्राप्ति के अधिकार से वंचित हो सकता है। यह सब कितना लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष और उदार है दूसरा बिंदु राज्य को धर्म से विलग करने का है। भारतीय संविधान में स्पष्ट व्यवस्था है कि राज्य-निधि से पूर्णतः पोषित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी। जहां भारतीय राष्ट्रपति 'संविधान के परिरक्षण, संरक्षण और प्रतिरक्षण' की शपथ लेता है तो ब्रिटिश राजा द्वारा 'पंथ की रक्षा' की शपथ ली जाती है। ब्रिटिश राजमुकुट पर कई दायित्व हैं। सिंहासन पर बैठा व्यक्ति ब्रिटेन का राजा, उसके पूर्व उपनिवेशों की बनी राष्ट्रमंडल संस्था का मुखिया और 14 उन अन्य राष्ट्रों का प्रमुख होता है, जिसे वे अपना राजा स्वीकार करते हैं। राजगद्दी को 70 वर्षों तक संभालने वालीं महारानी एलिजाबेथ ने निःसंदेह अपने व्यक्तित्व और गरिमामयी आचरण से ब्रिटिश नागरिकों के दिल में अपनी जगह बनाई। यही कारण है कि उनकी अंतिम यात्रा का साक्षी बनने के लिए लोगों ने लंबी कतारों में कई घंटों तक प्रतीक्षा की। कई लोग ऐसी अभूतपूर्व संवेदनाओं को राजशाही के प्रति जनसमर्थन के रूप में देखेंगे, वहीं संशयवादियों की दलील होगी कि राजशाही के भविष्य पर किसी निणय से पहले शोक की अवधि गुजरने की प्रतीक्षा करना बेहतर होगा। राजशाही से इतर भारतीय लोकतंत्र की बात करें तो पिछले महीने ही हमने अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाई है और हाल में ब्रिटेन से आए दृश्यों को देखकर प्रत्येक भारतीय को यही महसूस करना चाहिए कि हमारा लोकतंत्र कितना गहरा और प्रगतिशील है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयार्क के अटार्नी जनरल ने डोनाल्ड ट्रंप समेत उनके बच्चों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला कराया दर्ज

न्यूयार्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके बच्चों के खिलाफ न्यूयार्क के अटार्नी जनरल ने धोखाधड़ी और गलत बयानबाजी के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि ऋण और कर लाभ प्राप्त करने के लिए उन्होंने फर्जीवाड़ा किया। यह गोलमाल 2011 से 2021 के बीच किया गया। ट्रंप की पारिवारिक कंपनी होटल, गोल्फ कोर्स और कई देशों में रीयल स्टेट का प्रबंधन करती है। अटार्नी जनरल ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनके बेटे

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, एरिक ट्रंप और बेटी इवांका ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, एक अन्य मामले में डोनाल्ड ट्रंप पर डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली लेखिका ने न्यूयार्क के एक नए कानून के तहत उनके खिलाफ एक और केस दायर किया है। नए कानून के मुताबिक अमेरिका में दशकों पहले यौन उत्पीड़न का शिकार हुए पीड़ितों को मुकदमा चलाने की अनुमति दी गई है। लेखिका की वकील ई जीन कैरोल ने मंगलवार को इस संबंध में संघीय न्यायाधीश को सूचित किया। अगस्त में लिख गए पत्र को पब्लिक रिकार्ड में दर्ज कर लिया गया। उधर, ट्रंप की वकील अलीना हब्बा ने इस संबंध में तुरंत कोई जवाब नहीं दिया है, लेकिन उन्होंने इस केस पर आपत्ति जताई।संयुक्त राष्ट्र, आइएएनएसः राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट देने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहराई ताकि परिषद की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। महासभा की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी दोनों प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने का समर्थन करता है।

सतना स्मार्ट सिटी का हाल बेहाल अधिकारी बन रहे मालामाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। सतना नगर निगम वार्ड नं 1 बड़ा अमौधा के शमशान घाट में न तो रोड है,न ही टीन सेड ।ये स्मार्ट सिटी सतना का हाल वार्ड नंबर 1 के निवासी बड़ी कठिनाई का सामना कर रहे रहे,अर्थी ले जाने तक की जगह नही है,3 फीट पानी से निकल कर अर्थी लेकर जा रहे हैं लोगो को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। शिवराज सिंह मामा जी तुम्हारे राज में ग्रामीण से लेकर नगर पालिका नगर निगम तक हर जगह मे करप्ट अधिकारी बैठे है जिन्हें जनता का कोई सोच नहीं है। और जिस तरह से जनता से पेस अधिकारी आ रहे है आगे चलकर मामा जी आपको बहुत नुकसान होगा जनता त्रस्त है अधिकारी मस्त है।

रामलीला देखने के लिए तीन श्रेणी में बैठने की होगी व्यवस्था व तीन द्वार बनाए जाएंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी गत वषी की भांति इस वर्ष भी रामलीला की भव्य मंचन की तैयारी जोरों पर चल रही है। कमेटी के वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन ने बताया कि रामलीला ग्राउंड

में रामलीला मंचन के लिए स्टेज बनाने का कार्य 2 दिन में पूरा कर लिया जाएगा और रामलीला देखने आने वालो के लिए बैठने की व्यवस्था तीन श्रेणी में बनाई गई है द्वार राम , लक्ष्मण द्वार हनुमान द्वार बनाए गए है। तीनों श्रेणी में बैठने के लिए कुर्सी और सोफे की व्यवस्था पूर्ण रूप से रहेगी संस्था के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की जाएगी सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए सीसीटीवी कैमरे, महिला और पुरुष सिक्योरिटी गार्ड , सिविल ड्रेस खुफिया गार्ड, कमेटी के वालंटियर, जरूरत के हिसाब से व्यवस्था की जाएगी और वाहन पार्किंग की निशुल्क व्यवस्था रहेगी। और रामलीला ग्राउंड का निरीक्षण करते हुए श्री राम लखन धार्मिक लीला के पदाधिकारी वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , लीला संचालक कृष्णा स्वामी , महासचिव विकास बंसल, रामवीर यादव, संजय गोयल, संदीप अग्रवाल मनीष अग्रवाल, अनुज गुप्ता,आरडब्लूए सेक्टर 46 के अध्यक्ष एसएस राणा दीपक बंसल, सुशील सिंगल, आदि मौजूद थे ।

एन0आई0 अधिनियम से संबंधित विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशो के अनुपालन में धारा 138 एन0आई0 एक्ट की आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत को सफल बनाने हेतु मजिस्टेटगण के साथ आज दिनांक 21.09.2022 को सांय 4:30 बजे से बैठक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विश्राम कक्ष में आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण को धारा 138 एन0आई0 एक्ट की आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित करने तथा चिन्हित किये गये पत्रावलियो में पक्षकारों को नोटिस/ सम्मन आदि जारी व तामील कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर, श्री प्रदीप कुमार कुशवाहा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-द्वितीय, श्री अवधेश कुमार, सिविल जज सी0डि एफटीसी, श्रीमती नूपर श्रीवास्तव, सिविल जज0 जू0डि0, श्री प्रदीप कुमार कंशल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कंबोडियाई साइबर क्राइम रैकेट के जाल में फंसे कई लोग, मलेशिया ने 15 पीड़ितों को बचाया

कुआलालंपुर। मलेशियाई अधिकारियों ने कंबोडिया में संदिग्ध साइबर अपराध रैकेट के 15 पीडितों को बचाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार दक्षिण पूर्व एशिया में इसी तरह के अभियानों में फंसे अपने सैकड़ों नागरिकों की मदद करने के प्रयासों को लगातार आगे बढ़ा रही है पीडितों का बचाव, जो मंगलवार को कुआलालंपुर पहुंचे, इस सप्ताह पूरे कंबोडिया में छापे के बीच साइबर अपराध के परिसरों में अवैध जुआ और घोटाला कॉल सेंटरों में काम करने के लिए देश में लोगों की तस्करी के संदेह में आते हैं। बुधवार देर रात मलेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसे कंबोडिया के साथ-साथ लाओस, म्यांमार और थाईलैंड में नौकरी घोटाले के नेटवर्क में फंसे 301 लोगों की रिपोर्ट मिली है। इनमें से 168 लोगों को बचा लिया गया है, 34 लोगों को आव्रजन हिरासत में रखा गया है और 99 और लोगों का पता लगाया जा रहा है। रैकेट के पीडितों का कहना है कि उन्हें कैसीनो और होटलों में उच्च-भुगतान वाली नौकरियों के वादे के द्वारा कंबोडिया

में फुसलाया जाता है, लेकिन इसके बजाय उन्हें यौगिकों में रहने और इंटरनेट रोमांस और क्रिप्टोकुरेंसी योजनाओं के साथ ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए मजबूर किया जाता है। कंबोडियाई अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें एक परिसर में अवैध जुआ, अवैध कारावास और यातना, वेश्यावृत्ति, अवैध हथियार रखने, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी के सबूत मिले हैं। विश्वभर में हर साल बड़ी-बड़ी कंपनियां साइबर हमलों के नुकसान और उससे बचने के लिए एंटी वायरस सिस्टम पर ही छह ट्रिलियन डॉलर खर्च कर देती हैं। इसके बाद भी साइबर अपराध कम नहीं हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, विश्वभर में प्रत्येक वर्ष साइबर क्राइम के 56.60 करोड़ लोग शिकार हो जाते हैं। खास बात यह है कि कोविड महामारी के दौरान पिछले दो वर्षों में यह आंकड़ा 600 फीसदी यानि छह गुना तक बढ़ा है। इनमें सबसे आगे अमेरिका है, जहां 38 प्रतिशत तक साइबर क्राइम बढ़े हैं। उसके बाद भारत का नंबर आता है, जहां 17 प्रतिशत कंपनियां साइबर हमलों का शिकार होती हैं।

(आधुनिक समाचार सेवा)

इटावा। यूपी के इटावा से बड़ी खबर दीवार गिरने से चार लोग मरने की खबर दबने से सीएम योगी ने दुख जताया मरने वाले को 4 लाख का आर्थिक मदद देने का ऐलान किया।

इंडिया एक्सपो मार्ट में इलेक्ट्रॉनिक इण्डिया प्रोडक्शन इण्डिया एक्सपो का आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा मे तीन दिवसीय इलेक्ट्रॉनिक इण्डिया प्रोडक्शन बिजनेस टू बिजनेस एग्जिबिशन का आगाज हुआ प्रदर्शनी का उद्घाटन डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज मिनिस्ट्री ऑफ फाइनेंस के एडिशनल सेक्रेटरी अमित अग्रवाल ने किया। इस प्रदर्शनी में देश-विदेश की 300 से ज्यादा कंपनियां अपने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के साथ प्रदर्शनी में भाग ले रही हैं । 19 देशों से 320 प्रदर्शक है। इसमें सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनियां भी शामिल हैं। या फिर साउथ ईस्ट एशिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक का फेयर है।

जन मुद्दों पर 24 सितंबर को जंतर मंतर नई दिल्ली पर प्रदर्शन करेंगे माकपा कार्यकर्ता- गंगेश्वर दत्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । बढ़ती बेतहाशा महंगाई, बेरोजगारी एवं आम जनता से जुड़े जन मुद्दों पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) 14 से 24 सितंबर तक पूरे देश में जन अभियान चला रही है इसी के तहत सीपीआई(एम) नोएडा के कार्यकर्ता नुक्कड़ सभा, पर्ची वितरण कर जनसंपर्क अभियान चला रहे है। 22 सितंबर को भी सीपीआईएम, सीटू, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह जनसंपर्क व परचा वितरण कर अभियान के समापन पर 24 सितंबर 2022 को प्रातः 11:00 बजे जंतर मंतर नई दिल्ली पर होने वाले प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल होने की अपील किया अभियान की जानकारी देते हुए माकपा नेता व सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि हमारी प्रमुख मांग है कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी को रोकने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं तथा शहरी रोजगार योजना शुरू की जाए। खाने पीने के सामान पर जीएसटी तुरंत वापस ली जाए! पेट्रोलियम उत्पादों पर सभी उपकर वापस लिए जाएं! सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों एवं संस्थानों को बेचना बंद किया जाए! हर परिवार को राशन कार्ड मुहैया कराया जाए, सभी आवश्यक वस्तुओं विशेषकर दाल और खाद्य तेल को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल किया जाए! मेहनतकशों के बच्चों की पहुंच से शिक्षा को दूर करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को रद्द किया जाए! जनवादी अधिकारों और संवैधानिक संस्थानों पर हमले बंद किए जाएं राजद्रोह का कानून रद्द किया जाए! गांव व मजदूर बस्तियों/ कालोनियों में सभी मूलभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन ?26000 घोषित किया जाए। जनसंपर्क अभियान का नेतृत्व आशा यादव, लता सिंह, चंदा बेगम, रेखा चौहान, इशरत, राम स्वारथ, मुकेश कुमार राघव, रामसागर आदि ने किया।

गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र कार्ड धारकों को होगा नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल वाई के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ने पात्र कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना न्तर्गत माह जुलाई, 2022 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न (चावल) का दिनांक 12.09.2022 से 20.09. 2022 के मध्य निःशुल्क वितरण कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। उक्त के सम्बन्ध में प्रदेश के कतिपय उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं का वितरण अभी तक न हो पाने के दृष्टिगत पी0एम0जी0के0वाई0 खाद्यान्न के वितरण का कार्य दिनांक 22.09.2022 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्हों ने बताया कि दिनांक 22.09.2022 की अवधि में ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा। मोबाईल ओ0टी0पी0 के माध्यम से वितरण की सुविधा पूर्व तिथि 20.09.2022 के साथ दिनांक 22.09.2022 को भी उपलब्ध रहेगी। इस दिन पोर्टेबिलिटी के माध्यम से भी पात्र कार्डधारक खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र कार्ड धारकों को मानकों के अनुरूप खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराया जाए ताकि कोई भी लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहे।

देश की विभिन्न राज्य सरकारें योगी सरकार की कार्यप्रणाली से ले सीख महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वक्फ बोर्ड के अवैध कार्यों को रोकते हुए 7 अप्रैल 1989 का अधिनियम निरस्त किया वास्तव में योगी सरकार का यह कदम बहुत ही सराहनीय कदम है पूरे देश की सरकारों को योगी सरकार से सीख ले कर तत्काल वक्फ बोर्डों को खत्म करना चाहिए तथा भारत सरकार को भी वक्फ बोर्ड को को खत्म करने के लिए कानून लाकर के अवैध कार्यों को नियंत्रण करना चाहिए तथा अवैध संपत्तियों को सरकार को अपने कब्जे में लेना चाहिए हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरि जी महाराज ने योगी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा योगी सरकार का यह कदम समाज में बढ़ती हुई अराजकता और अवैध संपत्ति कब्जा करने पर रोक लगाने का महत्वपूर्ण कदम है जिसकी मैं सराहना पुरे हृदय से करता हूं हिंदू रक्षा सेना ऐसे कार्यों के साथ सदा सर्वदा उनके साथ खड़ी है।

प्रमुख शरद पवार ने कहा- विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करना केंद्र का फ्लैगशिप प्रोजेक्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं पर मामला दर्ज करना और उन्हें गिरफ्तार करना केंद्र सरकार की प्रमुख परियोजना लगती है। उन्होंने

कहा कि अगर आप आज का अखबार देखेंगे तो इसमें विस्तार से बताया गया है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां किस प्रकार से विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। इसको देख कर ऐसा लगता है कि विपक्षी पाटिर्यों पर मामले दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करना केंद्र की प्रमुख परियोजना है।राकांपा प्रमुख पवार ने भाजपा शासित केंद्र पर कटाक्ष करते हुए पत्रकारों से कहा, 'जब भी उन्हें चुनाव के परिणाम के बारे में कुछ संदेह होता है तो वे इस प्रकार के कदम को एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में उठाते हैं और समाज के सामने प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों को अलग रख दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हम इसका राजनीतिक रूप से जवाब देंगे।पात्रा चाल के पुनर्विकास से संबंधित धनशोधन के मामले की एक प्रमुख गवाह ने प्रवर्तन निदेशालय से कथित तौर पर कहा है कि 2008-09 के दौरान इलाके के कुछ निवासियों ने चाल के पुनर्विकास के लिए स्थानीय राजनेताओं के माध्यम से राकांपा प्रमुख शरद पवार से संपर्क किया था। मालूम हो कि मुंबई के पात्रा चाल पुनर्विकास परियोजना मामले में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय राउत के घर पर छापेमारी की थी, जिसके बाद उन्हें एक अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया था। शिवसेना नेता संजय राउत भी इस मामले में एक आरोपी है। गवाह ने ईडी को बताया कि संजय राउत, प्रवीण राउत और हाउसिंग डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के राकेश वाघवन के साथ कई बैठकों के बाद इस परियोजना को संभालने के लिए कहा गया था, जिसके बाद ईडी ने इससे संबंधित एक पूरक आरोप पत्र दायर किया है। मालूम हो कि जांच एजेंसी ने 2019 विधानसभा चुनाव से पहले पवार को भी एक नोटिस जारी किया था हालांकि एजेंसी द्वारा बाद में कहा गया था कि राकांपा प्रमुख को जांच में शामिल होने की कोई जरूरत नहीं है।

एक बार फिर किसी बाहरी के हाथ होगी कांग्रेस की कमान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर असमंजस आखिरकार खत्म हो गया। परिवारवाद के भाजपा के तीर से घायल गांधी परिवार ने खुद को अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर कर लिया है और दो दशक से ज्यादा वक्त के बाद फिर से किसी बाहरी के हाथ पार्टी की कमान होगी। यह लगभग तय है कि अध्यक्ष पद के लिए लड़ाई पार्टी के उम्मीदवार अशोक गहलोत और पार्टी नीतियों को लेकर अक्सर मुखर रहने वाले सांसद शशि थरूर के बीच होगी। हालांकि, गहलोत के ही अध्यक्ष बनने की संभावना है। उन्होंने परोक्ष रूप से अध्यक्ष के तौर पर संदेश देना शुरू भी कर दिया और कहा कि वह सौभाग्यशाली है कि केवल गांधी परिवार ही नहीं बल्कि देश के लाखों करोड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उनमें विश्वास है। बुधवार को पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने एक प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया कि राहुल अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हैं। उन्होंने कहा, '24-30 सितंबर के बीच अध्यक्ष पद के लिए नामांकन है और वह प्रत्यक्ष तौर पर पेश

होकर ही दिल्ली में करना पड़ेगा। जून पर यह नहीं किया जा सकता हैं। जबकि राहुल गांधी इस बीच भारत जोड़ो यात्रा में ही मौजूद रहेंगे। वह 23 सितंबर को अपनी मां से मिलने दिल्ली जा सकते हैं लेकिन उसी शाम वापस आ जाएंगे।' गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष पद चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करेगी। जाहिर है कि पार्टी में लंबी चर्चा के बाद यह फैसला हुआ कि पार्टी को परिवारवाद के ठप्पे से बाहर आना ही होगा। जिस तरह विभिनन-राज्यों की प्रदेश इकाई से राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्ताव पारित हो रहे थे उससे असंतुष्ट खेमे को यह हमला करने का भी मौका मिलता कि सब कुछ पहले से तय था। लिहाजा यह तय हुआ कि राहुल पार्टी का चेहरा बने रहें और संगठन की कमान दूसरे के हाथ दी जाए। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल की सक्रियता का यह संदेश होगा कि वह नेतृत्व करने की क्षमता रखते है और वक्त आने पर सही जगह नेतृत्व दिया जाएगा। यानी राहुल ने केवल संगठन के नेतृत्व से दूरी बनाई है। यह संदेश सबके लिए होगा। यह संदेश इसलिए भी अहम है क्योंकि पूर्व पार्टी अध्यक्ष और पूर्व पीएम नरसिंह राव के वक्त सोनिया गांधी निष्क्रिय रही थीं। राहुल वैसी गलती नहीं दोहराएंगे। इसमें शक की गुंजाइश नहीं कि गहलोत गांधी परिवार और पार्टी के उम्मीदवार होंगे। एक दिन पहले राजस्थान में विधायकों की बैठक बुलाकर उन्होंने इसका परोक्ष संकेत दे दिया था। बुधवार को सोनिया गांधी से मुलाकात कर उन्होंने निर्देश भी ले लिया और भरोसा भी दिया कि वह सबको विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ेंगे। बाहर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, पार्टी मुझे जो निर्देश देगी वह करूंगा। पद मेरे लिए मायने नहीं रखता। यह पूछे जाने पर कि क्या अध्यक्ष पद और राजस्थान के मुख्यमंत्री पद दोनों पर बने रहना उदयपुर संकल्प का उल्लंघन नहीं होगा, उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी राज्य में मंत्री है तो उस पद पर बने रहते हुए अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ सकता है।

राजू श्रीवास्तव के निधन पर इमोशनल हुए 'तारक मेहता' के शैलेश लोढ़ा, कहा - 'मेरे मोबाइल पर उनका नम्बर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हास्य अभिनेता राजू श्रीवास्तव ने बुधवार को दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। राजू पिछले 41 दिनों से वेंटीलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे थे। 58 साल के कॉमेडियन के निधन ने पूरी एंटरटेमेंट इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया। इस खबर ने न सिर्फ राजू के परिवार बल्कि उनके फैंस और मनोरंजन जगत के सभी कलाकारों को गहरा सदमा दिया। हर कोई उन्हें सोशल पर श्रद्धांजलि दे रहा है। ऐसे में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम शैलेश लोढ़ा ने भी उन्हें याद कर इमोशनल पोस्ट शेयर किया। एक्टर शैलेश लोढ़ा ने इंटाग्राम अकाउंट पर राजू श्रीवस्तस संग अपनी एक सालों पुरानी तस्वीर शेयर कर लंबा चैड़ा नोट लिखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारी दोस्ती बरसों पुरानी स्टार प्लस के एक शो कॉमेडी का महा मुकाबला में जिस वक्त हम साथ थे तब राजू श्रीवास्तव ने एक एक्ट में एक चरित्र किया था जो बड़े ही खास अंदाज में 'आओ आओ' बोला करता था उस दिन से उन का नंबर मेरे फोन में 'राजू आओ आओ' नाम से ही संग्रहित है। आज सारी दुनिया कह रही है आओ आओ वापिस आ जाओ अद्भुत कलाकार कमाल के मित्र राजू भाई ऐसे रुला के जाओगे ये नहीं सोचा था उस दिन एम्स में भाभी और परिवार से मुलाकात की तो विश्वास था कि जल्द ही आओगे आप स्वस्थ होकर किन्तु आप तो अनंत यात्रा पर चले गए ईश्वर आप को अपने चरणों में स्थान दे हास्य के क्षेत्र की इस क्षति को कभी पूरा नहीं जा सकेगा।आपको बता दें कि कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का पार्थिव शरीर को उनके दिल्ली स्थित आवास पर कल शाम ही पहुंचा दिया गया। वहीं आज यानी गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें तो राजू श्रीवास्तव के घर पर उनके अंतिम दर्शन के लिए कई हस्तियां पहुंचने वाली हैं। इसके साथ ही कॉमेडियन को पूरे विधि विधान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

अक्षय कुमार की 'राम सेतु' को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की एक साल में 4 से 5 फिल्में बड़े पर्दे पर रिलीज होती हैं और लगाभग सभी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खास रिस्पॉन्स मिलता है, लेकिन साल 2022 इस लिहाज से उनके लिए

अच्छा साबित नहीं हुआ है। इस साल उनकी सम्राट पृथ्वीराज, बच्चन पांडे और रक्षा बंधन रिलीज हो चुकी है, लेकिन कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं टिक पाई। अब अक्षय कुमार अपनी पौराणिक फिल्म राम सेतु को लेकर सुखिर्यों में बने हुए हैं। इस फिल्म में वो पुरात्व विभाग में काम करने वाले आकिर्योलॉजिस्ट का कैरेक्टर निभा रहे हैं। लेकिन अब जानकारी आ रही है कि आने वाले दिनों में मेकर्स राम सेतु का फर्स्ट लुक लॉन्च कर सकते हैं। समाचार वेबसाइट पिंकविला की खबर के अनुसार, राम सेतु मेकर्स आने वाले सोमवार को फिल्म का फर्स्ट लुक लॉन्च करने का प्लान बना रहे हैं। साथ ही खबर में दावा किया गया है कि मेकर्स राम सेतु का फर्स्ट लुक को जारी कर फिल्म का प्रमोशन भी शुरू करने वाले हैं, जोकि राम सेतु की रिलीज तक जारी रहेगा। इस मोशन पोस्टर में फिल्म के कुछ चुनिंदा एक्शन-एडवेंचर दृश्यों को दिखाया जाएगा, जिससे दर्शकों को फिल्म की ओर आकर्षित किया जा सके। राम सेतु की कहानी रामायण के दिनों में भारतीय संस्कृति की प्राचीन पौराणिक कलाकृतियों की खोज पर आधारित होगी। ये देश की जड़ों और आस्था और आध्यात्मिक मान्यताओं का उत्सव को दर्शाती है। राम सेतु में अक्षय में कलाकृतियों का पता लगाने के वाले आकिर्योलॉजिस्ट का कैरेक्टर निभा रहे हैं, जो गुफाओं के रास्ते से राम सेतु की लोकेशन तक पहुंचते हुए दिखाई देंगे। अभिषेक शर्मा द्वारा निर्देशन इस फिल्म का निर्माण कैप ऑफ गॉड फिल्म के बैनर तेल किया गया है।

बिग बॉस 16 का हिस्सा होंगे डायरेक्टर साजिद खान मेकर्स ने किया अप्रोच

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीवी का मोस्ट रियलिटी शो 'बिग बॉस सीजन 16' अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है, लेकिन अभी तक इसकी कन्फर्म डेट सामने नहीं आई है। शो में

आने वाले कंटेस्टेंट्स को लेकर भी काफी बज बना हुआ है। कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं लेकिन अभी तक किसी का नाम कन्फर्म नहीं हुआ है। इसी बीच अब फिल्म इंडस्ट्री का एक ओर बड़ा नाम सामने आया है। खबरों के मुताबिक फेमस डायरेक्टर साजिद खान सलमान खान के रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं। साजिद का नाम कुछ दिनों पहले भी बिग बॉस 16 के लिए सामने आया। हालांकि अभी इस पर मुहर नहीं लगी है लेकिन कहा यहीं जा रहा है कि वह सलमान खान के विवादित शो में आ सकते हैं। शो के मेकर्स ने साजिद को शामिल करने के लिए कॉन्टैक्ट किया है। अगर साजिद इस शो का हिस्सा हुए तो दर्शकों को काफी मजा आने वाला है। दरअसल, साजिद के नाम के साथ कई कॉन्ट्रोवर्सी जुड़ी हुई है। साजिद का बिग बॉस 16 में आना शो की टीआरपी के लिए बेहतर साबित हो सकता है। साल 2018 में मी टू मूवमेंट के दौरान आरोप लगे थे। साजिद पर मंदाना करीमी, सलोनी चोपड़ा, रैशेल व्हाइट समेत कई महिलाओं ने हरासमेंट का आरोप लगाया था। इन आरोपों के चलते साजिद पर फिल्म असोसिएशन ने बैन लगा दिया था। हालांकि उन्होंने हमेशा ही इन आरोपों से इंकार किया था। साजिद का नाम एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिज से भी जुड़ा था। जैकलीन फर्नांडिज के शुरुआती करियर में साजिन ने उन्हें डेट किया था।

ऋतिक रोशन की लेटेस्ट तस्वीर इंटरनेट पर मचा रही तहलका

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'विक्रम वेधा' के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म 30 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस बीच ऋतिक ने एक तस्वीर शेयर की है, जिस पर फैंस के खूब लाइक्स और कमेंट्स मिल रहे हैं। यह तस्वीर इतनी ज्यादा पसंद की जा रही है

कि, उनकी रयूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद तक कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाईं। इसके अलावा बाकी वेरिफाइड अकाउंट्स से भी ऋतिक की फोटो पर खूबसूरत कमेंट्स आए हैं। वहीं, बहुत से यूजर्स तक फायर इमोजी भेज कर ऋतिक पर अपना प्यार लुटा रहे हैं। सबा आजाद के कमेंट ने खींचयूमर्दचा ध्यान ऋतिक ने जो फोटो शेयर की है, उस पर उनकी रयूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद का कमेंट सबसे ज्यादा ध्यान खींच रहा है। सबा ने लिखा, 'आप बहुत क्यूट हो। ओके बाय।' सबा के अलावा ऋतिक की बहन पश्मिना ने भी कमेंट किया है। लेकिन उनका कमेंट फनी है। पश्मिना ने लिखा, 'यह वह लुक है जो आप पीवीआर समोसा वाले को देते हो।' फैंस को ऋतिक की फोटो पर इतना प्यार आ रहा है कि वह इसे आउटस्टैंडिंग बता रहे हैं। बता दें कि 30 सितंबर को ऋतिक की फिल्म विक्रम वेधा रिलीज होने वाली है। इसमें वह सैफ अली खान के साथ नजर आने वाले हैं। यह 2017 में आई तमिल फिल्म विक्रम वेधा का हिंदी रीमेक है, जिसे ओरिजनल नाम से ही नॉर्थ साइड में रिलीज किया जा रहा है। इसमें ऋतिक गैंगस्टर का रोल प्ले कर रहे हैं, जो कि ओरिजनल फिल्म में विजय सेतुपति ने किया था। वहीं सैफ अली खान एक दबंग पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखेंगे, जिसे ओरिजनल फिल्म में आर माधवन ने प्ले किया था। 'विक्रम वेधा' के अलावा ऋतिक, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनने वाली 'फाइटर' में नजर आएंगे। इसमें उनके अपोजिट दीपिका पादुकोण होंगी।

आर्यन खान के ड्रग्स केस में फंसने पर गौरी खान ने तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। करण जौहर के कॉफी विद करण के 12वें एपिसोड में शाह रुख खान की पतनी और निर्माता गौरी खान ने अपने सबसे अच्छी फ्रेंड्स और फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के साथ कॉफी

काउच शेयर किया। गौरी खान के साथ चंकी पांडे की पतनी भावना पांडे और संजय कपूर की वाइफ महीप कपूर भी नजर आईं। जैसा की उम्मीद की जा रही थी इस दौरान गौरी खान ने बेटे आर्यन खान के ड्रग्स केस में जेल जाने पर खुलकर बात की। आर्यन खान के जेल जाने से लेकर वहां गुजरे दिनों के बारे में बात करते हुए गौरी खान से करण जौहर ने पूछा- 'यह उनके लिए इतना कठिन सफर रहा है, और आप सभी इतनी मजबूती से उभरी हैं। मैं आपको एक मां के रूप में जानता हूं। हम एक ही परिवार के सदस्य हैं और मैं उस दौर में भी देखा है आपको आफ पहले से भी ज्यादा मजबूत बनकर उभरी हैं। जिस पर गौरी ने पहली बार आर्यन खान के मामले के बारे में बात की और कहा, 'हम जिस दौर से गुजरे हैं उससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। लेकिन जहां हम सभी एक परिवार के रूप में खड़े हैं, मैं कह सकती हूं कि हम पहले से ज्यादा मजबूत हैं। हमें लोगों को सपोर्ट मिली, ऐसे लोगों की दुआएं मिली जिन्हें हम जानते भी नहीं। इतने सारे संदेश और इतना प्यार। हम धन्य महसूस करते है। हम उन सभी के आभारी है जिन्होंने हमारी मदद की।' दरअसल, 17 साल पहले गौरी खान इस शो में पहली बार नजर आई थीं। तब वो शाह रुख के साथ करण जौहर के शो पर दिखाई दी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार कॉफी विद करण में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। गौरी जो अपने ब्रांड गौरी खान डिजाइन्स की मालिक है और एक पेशेवर इंटीरियर डिजाइनर है। बता दें कि शाह रुख और गौरी के निजी जीवन को पिछले साल उस समय झटका लगा था जब उनके बेटे आर्यन खान को 2 अक्टूबर 2021 में मुंबई में ड्रग्स-ऑन-क्रूज मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गिरफ्तार किया गया था। आर्यन को जेल में 20 दिन से अधिक समय बिताने के बाद जमानत मिली थी। इस साल मई महीने में उन्हें इस केस से क्लीन चिट मिल चुकी है।

क्या 'गुड्डू भैया' का पैर हो गया है ठीक 'मिर्जापुर 3' के सेट से लीक हुई अली फजल की तस्वीर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम की मोस्ट पॉपुलर हिंदी वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का हर सीजन काफी सुखिर्यों में रहा है। वहीं अब दर्शकों को इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन बहुत जल्द आने वाला है। दूसरे सीजन में देखा गया कि किस तरह से गुड्डू भैया ने अपना बदला लेते हुए कालीन भैया को थूल चटाई। वहीं अब इसके तीसरे सीजन की शूटिंग जोर.शोर से चल रही है। शूटिंग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में उनका गुड्डू भैया का लुक काफी बदला हुआ नजर आ रहा है। इस फोटो को देखकर फैंस अब नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। 'मिर्जापुर' के तीसरा सीजन की वायरल हो तस्वीर में अली फजल उर्फ गुड्डू भैया नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वो एक बार फिर अपने दोनों पैरों पर खड़े नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो उन्होंने उन्होंने ब्राउन कलर का कुर्ता और जींस पहन रखी है। वहीं उन्हें इस बार बिना बैसाखी के देख फैंस काफी उत्साहित दिख रहे हैं। बता दें कि पिछले सीजन में गुड्डू को गोली लग गई थी। इसके बाद ही उन्हें ज्यादातर बैसाखी के सहारे ही दिखा गया था। फैंस उन्हें फिर से ठीक देखकर काफी खुश नजर आ रहे हैं। 'मिर्जापुर' फेम गुड्डू भइया यान अली फजल की बात करें तो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन उन्हें सही मायने में असली पहचान 'मिर्जापुर' में अपने गुड्डू के रोल से मिली है। इस रोल ने अली फजल को एक नई पहचान दिलाई है। इसके अलावा अली फजल हॉलीवुड की कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'फ्यूरियस 7' और 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया।

युवराज सिंह के बेटे की झलक देख सोशल मीडिया यूजर्स के चेहरे पर आई स्माइल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। युवराज सिंह की पतनी हेजल कीच को बेटे के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है इस अवसर पर हेजल कीच बेटे को सीने से लगाकर चलती नजर आई हालांकि उनके बेटे का चेहरा स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा थात् इसमें उनका बेटा सोया हुआ है हेजल कीच इस अवसर पर बेटे

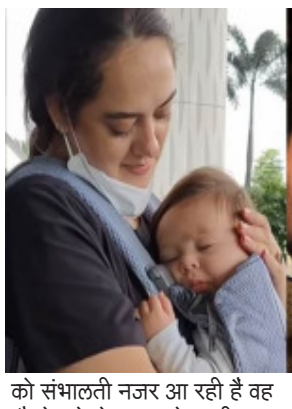

को संभालती नजर आ रही है वह कैमरे को देखकर पोज भी कर रही है इस बीच वह अपने बेटे को लेकर एयरपोर्ट में जा रही है वह कैमरे की ओर देखकर पोज भी करती है हेजल कीच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है कई लोग इस पर बधाई दे रहे है एक फैन ने लिखा है, 'यह हमारी तरह ही है सामान्य इंसान बेटा साथ होने के बावजूद उन पर सूरत नहीं दिखाने का कोई दबाव नहीं है एक अन्य ने लिखा है, 'बहुत ही खूबसूरत स्माइल है उनमें अनुष्का शर्मा और विराट कोहली जैसा कोई गुस्सा भी नहीं है खूबसूरत महिला' एक ने लिखा है, 'सो क्यूटत' एक ने लिखा है, 'अच्छा, यह हाइड नहीं की बच्चे को यह बहुत ही अच्छी बात है एक ने लिखा है, 'क्यूट बेबी गौरतलब है कि हेजल कीच फिल्म बॉडीगार्ड में नजर आई थी इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था हेजल कीच ने युवराज सिंह से शादी की है दोनों ने लव मैरिज की है इस बीच हेजल कीच का वजन काफी बढ़ गया है उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी भी दी है कि वह अपना वजन घटाने पर काम कर रही है और जिम में कड़ी मेहनत कर रही हैं हेजल कीच का वीडियो सोशल मीडिया पर फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है, जिसे 8 घंटे में 1 लाख 7 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं वहीं वीडियो पर 247 कमेंट किए गए हैं।

धीरज धूपर ने छोड़ा शो 'झलक दिखला जा 10', सामने आई ये वजह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीवी का फेमस डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 10' इन दिनों दर्शकों की पहली पसंद बना हुआ है। इस शो ने पर्दे पर करीब पांच साल बाद वापसी की है। ऐसे में लोगों के बीच इसका क्रेज काफी देखने को मिल रहा है। शो में कई सेलेब्स नजर आ रहे हैं। इन्ही में से एक हैं टीवी एक्टर धीरज धूपर (अर्धीर अग्दर्जे)। हालांकि अब खबरे सामने आई है की धीरज ने इस शो को अलविदा कह दिया है। कहा जा रहा है कि धीरज धूपर बीते मंगलवार से सेट पर नहीं आए है और न ही प्रैक्टिस कर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस डॉट कॉम कि रिपोर्ट के मुताबिक, धीरज धूपर सीरियल 'शेरदिल शेरगिल' और 'झलक दिखला जा 10' के शूट को मैनेज नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में डांस रियलिटी शो और सीरियल के बीच की शूटिंग के दौरान उनके पास बहुत कम समय बचता है। इस दौरान वह थकान महसूस करते हैं, जिसके चलते धीरज ने शो को क्विट करने का फैसला लिया। इसके अलावा धीरज धूपर को बीते हफ्ते सेट पर चोट लग गई थी, जिसकी वजह से डांस रियलिटी शो में उनकी परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ा था। कहा जा रहा है कि अभी उनकी चोट पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। ऐसे में मेकर्स ने कंडीशन को समझते हुए धीरज धूपर को आराम करने के लिए कहा है। 10 अगस्त को अभिनेता धीरज धूपर और विनने अरोड़ा माता-पिता बन थे। विनने अरोड़ा ने बेटे को जन्म दिया है। हाल ही इस कपल ने बेटे का फर्स्ट मंथ बर्थडे सेलिब्रेट किया था। एक्टर ने अपने बेटे का नाम जैन रखा है।

आखिर क्यों करना पड़ा राजू श्रीवास्तव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आई ये सच्चाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 40 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद आखिरकार कॉमेडियन,एक्टर राजू श्रीवास्तव 21 सितंबर को इस दुनिया को छोड़कर चले गए। उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहा पूरा देश गम

के समंदर में डूब गया। सोशल मीडिया पर फैंस उनके वीडियो और तस्वीरें शेयर कर यही कह रहे हैं कि अभी भी यकीन नहीं आ रहा कि हमें गुदगुदाने वाला यह शख्स अब हमारे बीच नहीं है। इस बीच राजू के पोस्टमार्टम के पोस्टमार्टम को लेकर दिल्ली के एम्स अस्पताल से एक जानकारी सामने आई। एम्स फोरेंसिक विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने बुधवार को कहा कि राजू श्रीवास्तव का पोस्टमार्टम एक नई तकनीक 'वर्चुअल ऑटोप्सी' का उपयोग करके किया गया है। उन्होंने बताया कि यह नई तकनीक, 'वर्चुअल ऑटोप्सी' हाई-टेक डिजिटल एक्स-रे और सीटी स्कैन की मदद से की जाती है तथा इसमें पुराने पोस्टमार्टम के तरीके की तुलना में काफी कम समय लगता है। डॉ. सुधीर गुप्ता से जब यह पूछा गया कि आखिर इस केस में पोस्टमार्टम की जरूरत ही क्यों पड़ी। तो उन्होंने कहा, 'शुरुआत में जब उन्हें एम्स लाया गया था, तो वह अपने होश में नहीं थे और परिवार ने बताया कि वो 'ट्रेडमिल' पर दौड़ते हुए गिर गए थे, जो कि हमें स्पष्ट नहीं हो पाया। यही वजह थी कि हमें पोस्टमार्टम करना पड़ा।दूसरी तरफ राजू श्रीवास्तव की पतनै शिखा श्रीवास्तव पति के निधन के बाद टूट चुकी हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- 'मैं अभी बात करने की हालत में नहीं हूं। मैं अब कह भी क्या सकती हूं उन्होंने बहुत संघर्ष किया, मैं वास्तव में उम्मीद और प्रार्थना कर रही थी कि वह इस जंग से लड़कर वापस आ जाएंगे। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ है। मैं केवल इतना कह सकती हूं कि वह एक सच्चे योद्धा थे।राजू श्रीवास्तव की आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुबह से ही उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शनों के लिए लोगों के सामने आएंगे इसके साथ ही परिवार और करीबियों के मौजूदगी में उन्हें सुपुर्द खाक कर दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।